राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष 09 । अंक 42 । पृष्ठ 1
मूल्य : दो रूपये
सिद्धार्थनगर
रविवार, 30 जनवरी 2022
सिद्धार्थनगर संस्करण
RNI No:. UPHIN/2012/49458

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

दैनिक बुद्ध का संदेश | 8795951917 | @budha_kasandes | budhkasandeshup@gmail.com | w w w.budhkasandesh.com

लखनऊ सूचीबद्ध कोड- SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी. कोड-133569 **सम्पादकः राजेश शर्मा** उ0प्र0 सरकार एवं भारत सरकार (डी.ए.वी.पी.) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

10 मार्च के बाद गुंडे फिर कहेंगे, हमें बख्श दो हम ठेली लगा लेंगे: योगी आदित्यनाथ

संवाददाता
गाजियाबाद /

मुरादनगर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में चढ़ रहे सियासी तापमान के बीच मतदाताओं से जनसंवाद करने गाजियाबाद जिले के मुरादनगर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक बार फिर समाजवादी पार्टी पर हमला बोला। सपा मुखिया अखिलेश यादव पर गुंडों और माफिया को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुंडे सपा की साइकिल के सहारे माननीय बनने का सपना देख रहे हैं, लेकिन हम उसे पूरा नहीं होने देंगे। उत्तर प्रदेश में दस मार्च के बाद भी कानून का राज कायम रहेगा। हम गुंडों की हालत ऐसी कर देंगे कि वे थाने, चौकियों के बाहर रहम की भीख मांगेंगे। गुंडे कहेंगे कि हमें बख्श दो, हम किसी चौराहे पर सब्जी की ठेल लगा लेंगे, लेकिन गुंडई नहीं करेंगे।

मुजफ्फरनगर, कैराना, बुलंदशहर और मुरादाबाद में सपा सरकार में हुए दंगों का जिक्र करते मुख्यमंत्री ने कहा कि मुजफ्फर नगर के युवक सचिन और गौरव ने अपनी बहन की इज्जत बचाने के लिए दंगाइयों का विरोध किया तो उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया। पुलिस ने आरोपितों को पकड़ा तो लखनऊ में बैठे उनके आकाओं ने एक फोन पर उन्हें छुड़वा दिया। 2017 से पहले

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुंडे सपा की साइकिल के सहारे माननीय बनने का सपना देख रहे हैं।

सपा सरकार में हर तीसरे दिन दंगा होता था। भाजपा सरकार आने के बाद यह गुंडे पांच साल तक बिलों में बैठे रहे, अब निर्दोषों के खून से सनी लाल टोपी पहनकर आ गए हैं। इनके मंसूबे हम कामयाब नहीं होने देंगे। मुरादनगर के पूर्व विधायक बहाब चौधरी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि धोखे से एक गुंडा यहां का विधायक बन गया था। हमने उसे जेल भेज दिया, अब उसका नाम लेने वाला कोई नहीं है।

उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव सत्ता में थे तो उन्होंने कांवड़ यात्रा रोक दी थी। हमने पूछा तो कहा कि, संवेदनशील क्षेत्रों से जाती है। सुरक्षा का मामला है। अब भाजपा सरकार में कांवड़ यात्रा भी निकलती है और माहौल भी खराब नहीं होता। हमने अधिकारियों से कह दिया है कि सड़क से यात्रा निकालो और आसमान से हेलीकाप्टर से निगरानी करो। जो गड़बड़ी करे उसे जेल भेज दो। अखिलेश यादव सत्ता में रहकर काम नहीं कर पाए और विपक्ष में रहकर सहयोग नहीं करते। कोरोना महामारी पर लखनऊ में सर्वदलीय बैठक बुलाई तो अखिलेश ने उसका बहिष्कार कर दिया। आज चुनाव आने पर झूठ बोलकर सहानुभूति दिखा रहे हैं। सपा, बसपा के कार्यकाल में कोरोना आता तो हालात बदतर होते।

अखिलेश यादव के 300 यूनिट बिजली के वादे पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जनता ने सपा को तीन बार, बसपा को चार बार और कांग्रेस को 55 साल तक सरकार चलाने का मौका दिया। सपा में चाचा-भतीजा, बसपा में बुआ भतीजा, और कांग्रेस में भाई- बहन ने अपना विकास किया। जनता की इनमें से किसी को सुध नहीं आई।

जिनके कार्यकाल में बिजली के तार नहीं थे, वे मुफ्त में बिजली देने की बात कर रहे हैं। जनता की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आपके पास सपा, बसपा और कांग्रेस के लोग वोट मांगने आएं तो उनसे पूछिए कि दिल्ली उत्तर प्रदेश के बीच 12 लेन के हाइवे पिछली सरकारों ने क्यों नहीं बनवाए। हमने डीएमई बनवाया है जो दिल्ली से मेरठ का सफर आसान करता है। गंगा एक्सप्रेस वे तीन साल में बनकर तैयार होगा। पहले प्रयागराज जाने में 16-17 घंटे लगते थे। अब सुबह घर से निकलिए छह घंटे में संगम में स्नान करें और शाम को वापस घर आ जाइए। बागपत के सांसद सत्यपाल का नाम लेते हुए कहा कि यह मुंबई से आए हैं। हमने कहा कि फिल्मों का शौक रखते हैं तो मुंबई जाने की जरूरत नहीं। गाजियाबाद के पास ही फिल्मसिटी बनवा दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने अखिलेश से पूछा था कि कितने गरीबों के मकान बनवाये, बोले हम भूल गए थे।

अरे माफियाओं के मकान बनवाना अखिलेश क्यों नहीं भूले। हमने 46 लाख लोगों को मकान दिए। कोरोना काल में सरकार के प्रबंधन का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सबको बूस्टर का डबल डोज दिया है। तीसरी लहर अभी गई नहीं है, चुनाव आयोग की गाइड लाइन के अनुसार ही चुनाव लड़ना है। कार्यकर्ता अपने स्मार्टफोन का इस्तेमाल करें और मोदी- योगी बनकर पार्टी प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगें।

मैं खुद बनिया हूं परन्तु दिल्ली के बनिए मुझे वोट नहीं देते थे- केजरीवाल

एजेंसी
पंजाब। पंजाब विधानसभा चुनाव में दिल्ली के मुख्यमंत्री

और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पूरी ताकत झोंक दी है। लगातार अरविंद केजरीवाल पंजाब का दौरा कर रहे हैं और जनता से वायदा कर रहे हैं। आज एक बार फिर से अरविंद केजरीवाल पंजाब पहुंचे जहां जनता से कई बड़े वादे किए हैं। उन्होंने राज्य में 24 घंटे बिजली देने के साथ-साथ साफ पीने के पानी की भी सुविधा मुहैया कराने का वादा किया है। केजरीवाल ने वादा किया कि हम पंजाबियों के हित में बहुत योजनाएं लाएंगे और कोई नया टैक्स नहीं लगाएंगे। संगरूर से सांसद भगवंत मान को आम आदमी पार्टी ने पंजाब में मुख्यमंत्री का चेहरा बनाया है। जालंधर में ।।च के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में व्यापारी वर्ग को भाजपा का वोट बैंक माना जाता था। मैं खुद बनिया हूं परन्तु दिल्ली के बनिए मुझे वोट नहीं देते थे, अब देने लगे हैं क्योंकि 5 साल में हमने लोगों का दिल जीता है, उन्हें डराया नहीं है। केजरीवाल ने पंजाब में लोगों से आम आदमी पार्टी के पक्ष में वोट डालने की अपील की। पंजाब में 20 फरवरी को विधानसभा के चुनाव होने हैं नतीजे 10 मार्च को आएंगे। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में 26 साल कांग्रेस और 19 साल बादल परिवार ने राज किया, उन्होंने जो करना था वो कर लिया। इनको और 5 साल देने से कोई फायदा नहीं है, ।।च एक कट्टर ईमानदार पार्टी है इसलिए 5 साल के लिए AAP एक मौका मांग रही है। शहरों को लेकर हम 10 गारंटी लेकर आए हैं, पंजाब के शहरों को साफ-सुथरा किया जाएगा, डोर स्टेप डिलीवरी ऑफ सर्विस, बिजली के तारों को अंडरग्राउंड किया जाएगा, अस्पतालों को अच्छा करेंगे और हर मोहल्ले में मोहल्ला क्लीनिक बनाएंगे, शहरों में सरकारी स्कूलों को अच्छा करेंगे। दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि बिजली 24 घंटे करेंगे, 24 घंटे पीने के पानी का इंतजाम करेंगे।

मतदाता किसानों की बात करने वालों का पक्ष लेंगे(हिंदू-मुस्लिम करने वालों का नहीं: टिकैत

संवाददाता
लखनऊ। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन में शामिल रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश सिंह टिकैत ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मतदाता केवल उन्हीं का पक्ष लेंगे जो किसानों के कल्याण की बात करते हैं और वे मोहम्ध्मद अली जिन्ना एवं पाकिस्तान का नाम लेकर धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण करने वालों का भला नहीं करेंगे। टिकैत ने कहा कि उप्र में किसान संकट से गुजर रहे हैं क्योंकि उन्हें अपनी उपज का कम मूल्य मिल रहा है और उन्हें अत्यधिक बिजली बिल का भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। उप्र विधानसभा चुनाव में प्रभावी मुद्दों के सवाल पर टिकैत ने कहा, किसानों, बेरोजगारों, युवाओं और मध्ध्यम वर्ग के लिए महंगाई समेत तमाम मुद्दे हैं लेकिन जिन्ना और पाकिस्तान पर नियमित बयानों के माध्ध्यम से हिंदू-मुसलमानों के बीच ध्रुवीकरण की भावना भड़काने की कोशिश की जा रही है लेकिन ऐसा करने वालों का प्रयास सफल नहीं होगा बल्कि यह उन्हें नुकसान पहुंचाएगा।'' टिकैत ने हालांकि किसी व्यक्ति और पार्टी का नाम नहीं लिया।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) और इसके अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्हें पाकिस्तान का समर्थक और जिन्ना का उपासक बताया था। योगी की टिप्पणी स्पष्ट रूप से पाकिस्तान और इसके संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना पर सपा अध्यक्ष के हालिया बयानों को संदर्भित करती है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ प्रचार करेंगे, टिकैत ने कहा, हमारी ऐसी कोई योजना नहीं है। मैं राजनेता नहीं हूं, मैं राजनीतिक दलों से दूर रहता हूं। मैं केवल किसानों के मुद्दों के बारे में बात करता हूं और लोगों से अपने नेताओं से सवाल करने का आग्रह करता हूं। मैं किसानों के मुद्दे उठाता रहूंगा। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश में किसान संकट के दौर से गुजर रहे हैं। यहां के किसानों को उनकी उपज का कम मूल्य मिलता है और उन्हें बिजली की अत्यधिक दरों का भुगतान करने के लिए भी मजबूर होना पड़ता है। यह पूछे जाने पर कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव किस दिशा में जा रहा है, टिकैत ने कहा, ''मैं इस पर टिप्पणी नहीं कर सकता कि चुनाव कहां जा रहा है या कौन सी पार्टी विजयी होगी। हालांकि, मैं जिन किसानों से मिलता हूं, वे वर्तमान स्थिति से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, उनके (किसानों) बच्चों के पास रोजगार का कोई रास्ता नहीं है। मुझे लगता है कि किसान और स्थानीय लोग जब मतदान के लिए जाएंगे तो वे इन बातों का ध्यान रखेंगे। उत्तर प्रदेश में 10 फरवरी से सात चरणों में मतदान होगा और परिणाम 10 मार्च को आएगा।

टिकैत ने उप्र में लोगों से मतगणना के दौरान जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों की गतिविधियों पर नजर रखने का आग्रह किया और कहा कि ये अधिकारी सत्तारूढ़ दल का पक्ष ले सकते हैं।'' पश्चिमी उप्र के मुजफ्फरनगर जिला निवासी टिकैत ने कहा कि वह लखीमपुर खीरी हिंसा मामले को आगे बढ़ा रहे हैं जिसमें चार किसानों और एक पत्रकार समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई थी। पिछले वर्ष तीन अक्टूबर को हुई लखीमपुर खीरी हिंसा में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा को मुख्य आरोपी बनाया गया है और वह घटना के सिलसिले में जेल में है। टिकैत ने कहा, ''वास्तव में, मैं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मामले से संबंधित कुछ मुद्दों पर चर्चा करने के लिए लखनऊ आया हूं। लखीमपुर खीरी हिंसा में मारे गए स्थानीय किसानों के परिवारों ने स्पष्ट कर दिया है कि न्याय तभी होगा जब कानून अजय मिश्रा टेनी के खिलाफ अपना काम करेगा।

तिलहर सीट पर भाजपा, सपा उम्मीदवारों को संगे संबंधियों से मिल रही चुनौती

संवाददाता
शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश में शाहजहांपुर जिले की

तिलहर विधानसभा सीट पर होने वाले चुनाव में इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) के उम्मीदवारों को अपने ही सगे संबंधियों से चुनौती मिल रही है। यहां भाजपा की उम्मीदवार सलोना कुशवाहा के खिलाफ उनके सगे भाई ने नामांकन पत्र दाखिल किया है जबकि इसी क्षेत्र के विधायक और सपा के उम्मीदवार रोशन लाल वर्मा के खिलाफ उनकी पुत्रवधू होने का दावा करने वाली सरिता यादव चुनाव मैदान में हैं। शाहजहांपुर जिले में दूसरे चरण में 14 फरवरी को मतदान होगा। जिले की तिलहर विधानसभा सीट पर सलोना के सगे भाई रावेंद्र कुशवाहा ने उनके विरुद्ध नामांकन किया है। रावेंद्र कुशवाहा ने कहा, जो बहन भाई की नहीं हुई वह आम जनता की क्या होगी। तिलहर विधानसभा क्षेत्र में पिछली बार भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते रोशन लाल वर्माचुनाव से पहले सपा में शामिल हो गए थे। सपा ने उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया।

इसी क्षेत्र में सपा से टिकट मांग रही सलोना कुशवाहा ने वर्मा के पाला बदलने के बाद भाजपा का रुख किया और भाजपा ने उन्हें अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया। यहां सपा प्रत्याशी रोशन लाल वर्मा के विरुद्ध उनकी पुत्रवधू होने का दावा करने वाली सरिता यादव तथा भाजपा की प्रत्याशी सलोना कुशवाहा के विरुद्ध उनके सगे भाई रावेंद्र कुशवाहा के चुनाव लड़ने से मुकाबला रोचक हो गया है। रावेंद्र कुशवाहा ने पत्रकारों से कहा, मैं भाजपा प्रत्याशी सलोना कुशवाहा का सगा भाई हूं और मैंने नामांकन इसलिए किया है कि सलोना कुशवाहा ने हमारा बहुत ही शोषण किया है, हमारा परिवार और हमारे बच्चे सड़क पर आ गए हैं। उन्होंने दावा किया, आए दिन हमें सलोना कुशवाहा के गुंडों द्वारा धमकी दी जा रही है।'' वहीं, सलोना कुशवाहा ने कहा, मेरी शादी काफी समय पहले हो गई थी और परिवार में क्या हुआ इससे हमें कोई मतलब नहीं है तथा न ही हमने कोई धमकी दी है। सलोना ने यह भी दावा किया कि उनका अपने भाई रावेंद्र कुशवाहा से कोई संबंध नहीं है। तिलहर क्षेत्र से ही नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद सरिता यादव ने पत्रकारों से कहा था, भाजपा की सरकार में मुस्लिमों और यादवों को उन्होंने (रोशन लाल वर्मा) बहुत परेशान किया है, इसलिए मैं चुनाव में खड़ी हुई हूं ताकि जनता को न्याय दिला सकूं। इसके लिए मुझे तिलहर विधानसभा में व्यापक जनसमर्थन भी मिल रहा है। इस आरोप के बारे में पूछे जाने पर रोशनलाल वर्मा ने फोन पर पीटीआई-से कहा, मेरी पुत्रवधू होने का उनका दावा झूठा है और उनके पास इसका कोई प्रमाण नहीं है। वह हमारी छवि खराब करने के लिए साजिश के तहत खुद को पुत्रवधू बता रही हैं और मेरे खिलाफ चुनाव मैदान में खड़ी हुई हैं लेकिन इससे हमारी छवि पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उल्लेखनीय है कि रोशन लाल वर्मा के बेटे विनोद वर्मा की मौत हो चुकी है और सरिता यादव का दावा है कि वह उनकी (विनोद वर्मा) पत्नी हैं। सरिता यादव ने 2012 में रोशन लाल वर्मा पर दुष्कर्म जैसे कई गंभीर आरोप लगाए थे।

बिजली बिलों में छूट संबंधी प्रदेश सरकार के निर्णय से लाभान्वित होंगे 11 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ता

संवाददाता
शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि बोर्ड अपने उपभोक्ताओं को सुनिश्चित विद्युत आपूर्ति देने के लिए कृतसंकल्प है और इस दिशा में राज्य सरकार के दिशा-निर्देशों अनुसार कई प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हाल ही में सोलन में आयोजित राज्य स्तरीय पूर्ण राज्यत्व समारोह के दौरान विद्युत क्षेत्र में विभिन्न वर्गों को राहत प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर द्वारा घरेलू व कृषि विद्युत उपभोक्ताओं के लिए विद्युत बिलों में छूट प्रदान करने की घोषणा कर राहत प्रदान की गई है। राज्य सरकार के निर्णय के अनुसार वे सभी उपभोक्ता जिनकी बिजली की खपत 60 यूनिट प्रतिमाह है और जिन्हें एक रुपये प्रति यूनिट बिजली का बिल देना पड़ता था, अब उनसे किसी तरह का पैसा नहीं लिया जाएगा। इसमें फिक्स्ड चार्जेस और मीटर रेंट की भी पूरी तरह से छूट रहेगी। इसके साथ ही जिन घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं की खपत 125 यूनिट तक है और इन्हें वर्तमान में सरकार द्वारा पहले से ही अनुदान युक्त दर पर एक रुपए 55 पैसे प्रति यूनिट देना पड़ता है, इसमें सरकार ने 55 पैसे की और छूट प्रदान की है। अब इस राहत से इन्हें केवल एक रुपये प्रति यूनिट ही देना होगा। उन्होंने बताया कि इस तरह 60 यूनिट तक आने वाले वर्ग में लगभग 4 लाख से अधिक घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं और 60 यूनिट से आगे 125 यूनिट तक आने वाले लगभग 7 लाख से अधिक घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार इस छूट का लाभ प्रदेश के लगभग 11 लाख घरेलू बिजली उपभोक्ताओं को मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की यह विशेष रियायतें घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मार्च, 2022 से और कृषि उपभोक्ताओं के लिए अप्रैल, 2022 से दी जाएंगी। दूसरी ओर किसानों को राहत देने के लिए भी बिजली की वर्तमान अनुदान युक्त दरों को 50 पैसे से घटाकर 30 पैसे कर दिया गया है।

प्रवक्ता ने कहा कि क्योंकि यह सभी राहतें राज्य सरकार की ओर से हैं और इसलिए राज्य सरकार की ओर से इन राहतों की एवज में हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड लिमिटेड को लगभग 90 करोड़ रुपये सालाना भुगतान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह सभी राहतें प्रदेश की जनता के हित में हैं।

इन राहत और सुविधाओं की घोषणा इसलिए भी की जा रही है कि कोरोना के कठिन समय में पहले भी और अब भी कुछ वर्ग के लोग कई कारणों से विद्युत बिल देय नहीं कर पाए थे। उनकी विशेष सहायता के लिए भी सरकार ने यह कदम उठाया है और इन सुविधाओं को आगे भी जारी रखा जाएगा।

बांसगांव विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी डा विमलेश पासवान का जोरदार स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोला/गोरखपुर। बांसगांव विधानसभा के भाजपा विधायक डा विमलेश पासवान को भाजपा से दोबारा टिकट ले कर आने पर क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। बांसगांव के वर्तमान विधायक डा विमलेश पासवान दोबारा टिकट मिलने के बाद क्षेत्र की जनता से आशिर्वाद लेने निकले। तो क्षेत्र की जनता जगह जगह सड़कों पर फुल माला और मिष्ठान लेकर कर खड़ी रही। जैसे ही विधायक का काफिला डड़वापार चौराहे पर पहुचा विशाल जन समुह ढोल तासे के साथ योगी मोदी जिंदाबाद, जय श्री राम का नारा देते हुए फुल माला पहनाया और मिष्ठान खिला कर विधायक का जोरदार स्वागत किया। विधायक डा विमलेश पासवान ने डड़वापार चौराहे पर स्थापित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी जगेलू प्रसाद गोड़ की मुर्ति को माला पहना कर आगे बढे। इसी क्रम में जानीपुर चौराहा, रामनगर चौराहे पर भी विधायक डा विमलेश पासवान का फुलमाल और मिष्ठान खिला कर स्वागत किया गया। डड़वापार चौराहे पर हियुवा उपाध्याय रतनप्रकास दुबे, प्राणेश धर दुबे, रविप्रताप दुबे, अनिरुद्ध दुबे, बेनीमाधव मिश्र, रामदरश मिश्र, देबीचरन मौर्य, दुक्खी जायसवाल, सत्यप्रकाश दुबे आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे। जानीपुर में भाजपा नेता राजेश सिंह राजन, बाल्मीकि गुप्ता, विषाल आदि रामनगर चौराहे पर भाजपा नेता संतोष चन्द, भाष्कर राय, इंद्रसेन राय सहित हजारों की संख्या में लोगों ने जयघोष के साथ स्वागत किया।

झगहा डबल मर्डर हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा

एक्स बॉयफ्रेंड ने प्रेमिका के दूसरा प्रेमी बनाने पर दोनों युवकों की कुल्हाड़ी से मारकर हत्या
एसएसपी ने गिरफ्तार करने वाली टीम को 25000 का नगद दीया इनाम

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोरखपुर। झंगहा थाना अंतर्गत 25 जनवरी 2022 को गड्ढे में लाश मिलने की घटना का किया सफल अनावरण पुलिस अधीक्षक उत्तरी मनोज कुमार अवस्थी व पुलिस अधीक्षक नगर सोनम कुमार ने पुलिस लाइन व्हाइट हाउस सभागार में प्रेस वार्ता कर बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में झगहा पुलिस घटना में संलिप्त हत्यारे मिथुन व सत्यम को आलाकत्ल के साथ गिरफ्तार किया गिरफ्तार करने वाली टीम को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा 25000 नगद पुरस्कार दिया गया। झंगहा इलाके में दो किशोरों की हत्या कर उनका शव दफना दिया गया था पुलिस ने जब इस मामले की जांच की तो पता चला कि प्रेम संबंध में दोनों किशोर की बेरहमी से हत्या की गई है। जांच में सामने आया कि गांव की ही एक लड़की से पहले हत्यारोपी प्रेम करता था। लेकिन कुछ महीने से उस लड़की ने ब्वॉयफ्रेंड बदल दिया और मृतक आकाश से प्रेम करने लगी। इससे नाराज होकर हत्यारोपी ने पहले आकाश की कुल्हाड़ी से प्रहार कर हत्या कर दी। वहीं, पीछे से मृतक का दोस्त गणेश आया तो उसे भी मार डाला। हत्या कर दोनों का शव पास के गड्ढे में दफना दिया। पुलिस ने हत्यारोपी मिथुन कुमार उर्फ शिवम प्रताप पुत्र रामदयाल प्रसाद निवासी बनकटा थाना रामपुर कारखाना देवरिया हाल पता नवाबारी पलिया थाना गोरखपुर और उसका साथ देने वाले दोस्त सत्यम पुत्र ओमप्रकाश निवासी हरमापुर थाना गौरी बाजार देवरिया को गिरफ्तार किया दोनों ने अपना जुर्म भी कबूल कर लिया है। पुलिस ने हत्या में प्रयोग की गई कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। पुलसि के अनुसार, झंगहा इलाके के रहने वाले आकाश जायसवाल और गणेश जायसवाल 10 जनवरी की शाम से लापता थे। 25 जनवरी की दोपहर दोनों की लाश गांव के बाहर एक गड्ढे में गाड़ी हुई मिली थी। दोनों का हाथ बंधा था और सिर में चोट का निशान था। वहां से पुलिस ने एक मोबाइल भी बरामद किया था। मोबाइल का पुलिस ने सीडीआर निकलवाया और फोरेंसिक के लिए भेजा था। मृतक के मोबाइल से मिले नंबर के आधार पर हत्यारोपी को पकड़ने में पुलिस को आसानी हुई। पुलिस पहले दिन से ही प्रेम प्रसंग में हत्या की बात कह रही थी। पोस्टमॉर्टम में भारी चीज से प्रहार कर 15 दिन पहले हत्या होने की बात सामने आई।मुख्य हत्यारोपी 27 वर्षीय मिथुन देवरिया के रामपुर कारखाना का रहने वाला है। वह डीजे बजाने का काम करता है। वह झंगहा में पिता के नेवासे पर रहता है। उसकी प्रेमिका का घर भी उसके घर से 6 किलोमीटर दूर है। दोनों लंबे समय से प्यार करते थे और करीब 11 महीने एक साथ भी रहे हैं। बरिादरी अलग होने के नाते बाद में दोनों अलग हो गए और घरवालों की बात मानकर प्रेमिका ने उससे बातचीत बंद कर दी। इधर कुछ माह से उसका संबंध मृतक आकाश जायसवाल से हो गया। यह बात हत्यारोपी पुराने प्रेमी मिथुन को नागवार गुजर रही थी और उसने हत्या की साजिश रच दी। हत्यारोपी मिथुन ने सबसे पहले गांव के युवक सत्यम को दोस्त बनाया। सत्यम, आकाश का भी करीबी था। गांव के पास स्थित इंटर कालेज के पीछे ही जेसीबी से किसी ने मिट्टी का खनन कराया था। साजिश के तहत इसी में हत्या कर शव को छिपाना तय किया गया। आकाश को सत्यम के जरिए वहां बुलाया गया और उसका हाथ बांध दिया गया। उधर, आकाश की तलाश करते उसका दोस्त गणेश भी वहां पर पहुंच गया था। इसके बाद आरोपी ने कुल्हाड़ी से सिर पर प्रहार कर दोनों की हत्या कर दी। इसके बाद सत्यम के मदद से गड्ढे में शव को रखकर ऊपर से मिट्टी डाल दिया था।मुख्य आरोपी मिथुन साल 2020 में रेप के जुर्म में जेल जा चुका है। वह 9 महीने जेल में रहकर जमानत पर बाहर आया है। मिथुन का कहना है कि उसने लड़की के प्यार में यह हत्या की है। उसने ये भी कहा कि जो भी दोनों के बीच आएगा उसे मरना होगा। हत्या के बाद उसने कुल्हाड़ी को इंटर कालेज के पास के एक गड्ढ्रे में छिपा दिया था। अब पुलिस मामले में और भी साक्ष्य जुटा रही है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस दोहरे हत्याकांड में स्कूल में पढ़ने वाली गांव की उस प्रेमिका का हाथ है या नहीं। गिरफ्तार करने वालों में प्रमुख रूप से प्रभारी निरीक्षक झगहा संतोष कुमार अवस्थी प्रभारी निरीक्षक स्वाट प्रदीप शर्मा उप निरीक्षक सर्विस लांस धीरेंद्र राय उपनिरीक्षक देवीशंकर पांडेय कांस्टेबल कमलापति तिवारी कांस्टेबल प्रभात मिश्रा का अशोक कुमार मौजूद रहे।

एडीजीसी क्रिमिनल दिनेश प्रसाद अग्रहरि को मिला प्रशस्ति पत्र

43 मामलों में पैरवी कर दिलाई सजा, जिसमें एक फांसी, 25 उम्रकैद है शामिल

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) सोनभद्र दिनेश प्रसाद अग्रहरि को अच्छा कार्य करने पर अभियोजन निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ से प्रशस्ति पत्र मिला है। जिले के अधिवक्ताओं, कर्मचारियों के साथ ही अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है। बता दें कि 19 सितंबर 2020 को शासन की ओर से दिनेश प्रसाद अग्रहरि की नियुक्ति विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट पद पर हुई है। अपने 16 माह के कार्यकाल में इन्होंने पैरवी करके 43 मामलों में सजा दिलाने का काम किया है। जिसमें एक मामले में फांसी, 25 मामलों में उम्रकैद की सजा शामिल हैं।

अपर पुलिस महानिदेशक अभियोजन उत्तर प्रदेश, लखनऊ आशुतोष पांडेय ने 8 जनवरी 2022 को दिए प्रशस्ति पत्र में अवगत कराया है कि माह दिसम्बर 2021 में ई–प्रॉसिक्यूशन पोर्टल पर विभिन्न केपीआई शीर्षकों में समरूपता से संतुलित फीडिंग करते हुए प्रविष्टियां अंकित की गई हैं। जो आपकी उच्चस्तरीय कार्यक्षमता को प्रदर्शित करता है। इस कार्य के लिए आपकी भूरि–भूरि प्रशंसा की जाती है। एडीजीसी क्रिमिनल दिनेश प्रसाद अग्रहरि को प्रशस्ति पत्र मिलने पर जिले के अधिवक्ताओं, कर्मचारियों एवं अन्य लोगों ने हर्ष व्यक्त किया है।

जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए प्रशासन प्रयत्नशील

होटल संचालक की लापरवाही से जाम की समस्या जस का तस

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोरखपुर। जाम के झाम से निजात दिलाने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन मिलकर प्रतिदिन प्रयत्नशील हैं कि जनपद वासियों को जाम से निजात कैसे दिलाया जा सके लेकिन मोहद्दीपुर चौराहे की जाम की समस्या जस की तस बनी की बनी रह रही है कारण जो भी हो चौराहे पर ही रेडिएशन ब्लू होटल की लापरवाही कहें या पुलिस की कमजोरी रोड पर पार्किंग कर जाम की समस्या को प्रतिदिन दावत देने का कार्य होटल वाले करते हैं बोलने वाला या सुनने वाला कोई जिम्मेदार इस पर अमल नहीं करता की गाड़ियां किन कारणों से होटल के सामने लगाया जाता है अगर एक मोटरसाइकिल चौराहे के दाएं बाएं कहीं खड़ा हो जाएगी तो उसका चालान तत्काल काटा जाता है लेकिन होटल के सामने दर्जनों गाड़ियां खड़ी रहती हैं ना चालान करता है नाही किसी के द्वारा टोका जाता है यह गाड़ियां क्यों खड़ी है बरहाल मामला जो भी हो मोहद्दीपुर की जाम की समस्या जस की तस प्रतिदिन बनी की बनी रहती है होटल संचालक द्वारा नाही सेटबैक छोड़ा गया नाही नियमों का पालन किया गया एकदम चौराहे पर हाथी के दांत की तरह आलीशान महल खड़ा कर जाम की समस्या मेंअपना योगदान देने में कहीं कोर कसर नहीं छोड़ा जा रहा चौराहे पर दूसरी समस्या सीसी कैमरा तो लगा दिया गया है लेकिन बाये रूट को अभी भी बाये जाने वाले वाहनों को नहीं जाने दिया जाता अगर बाये का रूट बराबर खाली रहता तो बाये जाने वाले व्यक्ति अपने गंतव्य तक आसानी से पहुंच जाते और कुछ हद तक जाम की समस्या से आमजन मानस को निजात जरूर मिलता।

कोविड टीकाकरण कराने आये ब्यक्ति का सी एच सी परिसर से चोरो ने उड़ाया बाइक

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोला/गोरखपुर। गोला उपनगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोला परिसर से शनिवार को कोविड टीकाकरण कराने आये युवक की स्प्लेंडर प्रो बाइक पर चोरो ने अपना हाथ साफ कर दिया। टीका करण कराकर जब युवक अस्पताल के बाहर निकला तो बाइक गायब देख सन्न रह गया। इस बात को जानकर अस्पताल पर भीड़ जुट गई। सूचना घटना का 112 नम्बर पर दिया गया। सूचना पाते ही 112 नम्बर की पुलिस अस्पताल परिसर में आ गयी। मामले की छान बीन शुरू कर दिया। बाइक मालिक ने घटना की लिखित सूचना गोला थाने पर पहुच कर दे दिया है ।समाचार लिखे जाने तक मुकदमा दर्ज नही हो पाया है। प्राप्त बिबरण के अनुसार गोला थाना क्षेत्र के ग्राम भवनियापुर निवासी रघुबर मौर्य की स्प्लेंडर प्रो बाइक न्–ठश्र–6589 बगल के कमलेश मौर्या के भाई शनिवार को लेकर सी एच सी गोला पर अपरान्ह कोविड टीकाकरण कराने आये थे। बाइक अस्पताल परिसर में खड़ा कर लॉक लगाकर अस्पताल में टीकाकरण कराने चले गए। जब वहां से लौटे तो बाइक गायब रही। घटना की सूचना अपने परिजनों को दिए। सूचना पाकर परिजन सहित अगल बगल के लोग अस्पताल परिसर में आ गए। इस घटना की सूचना 112 नम्बर पर बाइक मालिक ने दिया। सूचना पाते ही 112 नम्बर के पुलिस अस्पताल पर पहुचे। घटना स्थल का निरीक्षण किये। बाइक स्वामी घटना कीलिखित सूचना गोला थाने पर पहुच के दे दिया है। समाचार लिखे जानेतक मुकदमा पंजीकृत नही हुआ है। सनद रहे कि अस्पताल पर सूत्रों का कहना है कि सी सी कैमरा लगा हुआ है। कमरा बन्द होने के कारण सी सी कैमरा का फुटेज नही प्राप्त हुआ।

सम्भवतः कमरा का ताला खुले और सी सी कैमरे के फुटेज को देखा जाय तो कुछ सफलता हासिल होने के कयास लगाए जा रहे है। लोंगो का कहना है कि दो दिन पूर्व इस परिसर से सायकल भी गायब हो गयी थी। बेचारा गरीब साईकल मालिक हाथ मल कर घर पैदल चला गया।

परमेश्वर दयाल को मिली सोन रत्न की मानद उपाधि, हर्ष

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। जनपद के वरिष्ठ पत्रकार डॉ परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव पुष्कर को पत्रकारिता के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए मीडिया फोरम ऑफ इंडिया (न्यास) द्वारा सोन रत्न की मानद उपाधि से विभूषित किया गया है । डॉ परमेश्वर दयाल पिछले लगभग तीन दशक वर्षों से विभिन्न समाचार पत्रों से जुड़कर समाज हित में पत्रकारिता को जीवंतता प्रदान कर रहे हैं। उन्हें इसके पूर्व भी कई अन्य पत्रकार संगठनों की ओर से पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्मानित किया जा चुका है। बताते चलें कि पत्रकारों की राष्ट्रीय संस्था मीडिया फोरम ऑफ इंडिया (न्यास) द्वारा बीते 17 जनवरी को आयोजित एक संगोष्ठी में उन्हें पत्रकारिता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सोन रत्न की मानद उपाधि से विभूषित करने का निर्णय लिया गया था किंतु अस्वस्थता के कारण वे उक्त अवसर पर उपस्थित नहीं हो सके थे। ऐसे में शनिवार को संस्था के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मिथिलेश प्रसाद द्विवेदी द्वारा स्मृति चिन्ह, लेखनी, डायरी, अंगवस्त्रम और मानद उपाधि पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। डॉ परमेश्वर दयाल पुष्कर को पत्रकारिता के क्षेत्र में सम्मानित किए जाने पर सोनांचल के पत्रकारों ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

ट्रक की चपेट में आ जाने से बाइक सवार युवक की मौके पर हुई दर्दनाक मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश
सोनभद्र। म्योरपुर थाना क्षेत्र के लिलासी मोड़ के समीप शनिवार को एक बाइक सवार के दूसरे बाइक सवार से टकराने के बाद अचानक बालू लदे ट्रक की चपेट में आ जाने से उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी जबकि दूसरा बाइक सवार घायल हो गया। जानकारी के अनुसार शनिवार को रासपहरी निवासी प्रिंस पुत्र शिवशंकर मिश्र (22) अपनी बाइक से म्योरपुर आ रहा था कि लिलासी मोड़ के समीप सामने से आ रही एक दूसरी बाइक से टकराने के बाद रेनुकूट की तरफ जा रही बालू लदे ट्रक की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी। जबकि दूसरा बाइक सवार देवेश कुमार पुत्र लालकेश्वर (40) निवासी म्योरपुर घायल हो गए। घटना की सूचना पाते ही मौके पर पंहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु दुद्धी भेज दिया है। पुलिस द्वारा ट्रक को पकड़कर थाने लाकर खड़ा करा दिया है। उधर घायल देवेश का म्योरपुर सीएचसी में इलाज चल रहा है। पुलिस आवश्यक कार्यवाही में जुटी हुई थी।

तहसीलदार गोला अपनी राजस्व टीम के साथ पहुच कर मतदाताओ को मतदान के लिए किया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोला/गोरखपुर। गोला तहसील मुख्यालय के बगल में स्थित ग्राम पंचायत भडसडा व भीटी मेंशनिवार को तहसीलदार गोला सुनिता गुप्ता राजस्व निरीक्षक गोला बी डी त्रिपाठी अपने राजस्व टीम में साथ पहुच कर गांव में उपस्थित मतदाताओ को मतदाता बनने व मतदान स्थल पर पहुच कर निडर होकर मतदान करने के लियेजागरूक किया। उपस्थित मतदाताओ को जागरूक करते हुए तहसीलदार गोला ने अपने सम्बोधन में बताया कि चुनाव एक स्वस्थ्य लोक तंत्र का यज्ञ है। इस पुनीत यज्ञ में मतदाताओ को मतदान करने मेंअपनी सहभागिता बढ़ चढ़ कर दर्ज करानी है। क्योंकि आपके मत से ही एक स्वस्थ सरकार का निर्माण होगा। जो निष्पक्ष रूप से जनहित व विकास का कार्य करेगी। इस अवसर पर राजस्व निरीक्षक बी डी त्रिपाठी राजस्व कर्मी ओमप्रकाश यादव सोनाली छाया गांव के समस्त सम्मानित मतदाता भारी संख्या में उपस्थित रहे।

पंचायत भवन में नदारद दिखा कुर्सी मेज व कंप्यूटर,लाखों का हुआ फर्जी भुगतान

लाखों के भुगतान के बाद भी पंचायत भवन में नहीं लगा कुर्सी मेज मेज व कम्प्यूटर, पंचायत भवन की स्थिति है दयनीय
बढ़नी ब्लॉक का इमिलिया जनूबी के कोहड़ौरा का है मामला
पंचायत भवन परिसर में शौचालय व फर्स को लेकर भी उठा सवाल

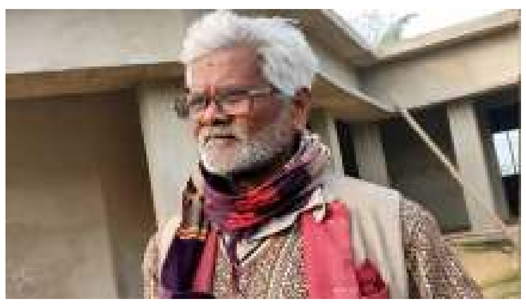

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। बढ़नी विकासखंड के ग्राम पंचायत इमिलिया जुनूबी टोला कोहड़ौरा में ग्राम पंचायत द्वारा पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है जो प्रथम दृष्टया दयनीय स्थिति में है। पंचायत भवन में ना तो दरवाजे लगाए गए हैं और ना ही उसके फर्श का मरम्मत आदि ही कराया गया है। पंचायत भवन के बाउंड्री वाल को लेकर भी सवाल उठ रहा है। ग्रामीणों का माने तो प्रश्नगत पंचायत भवन तक जाने के लिए रास्ते नहीं हैं। वहां किसी तरह पैदल जाया जाता है। साथ ही शौचालय निर्माण कार्य भी पूरा होना नहीं बताया जाता है। गाँव के जमील ने कहा कि पंचायत भवन तक जाने के लिए रास्ता नही है। गाँव के चंद्राराम ने बताया कि पंचायत भवन पर शौचालय आदि की सुविधा नही है। पंचायत भवन अपूर्ण है।गाँव के राधेश्याम ने बताया कि 1 वर्ष से पंचायत भवन का निर्माण कराया जा रहा है, जिसका फर्स कार्य पूरा नही है। भवन में दरवाजा आदि भी नही लगाया गया है। पंचायत भवन दयनीय स्थिति में है। ग्राम प्रधान पिताम्बर ने बताया कि सामान की खरीददारी के लिए पैसे की निकासी की गई है। एक सप्ताह में दरवाजा, कंप्यूटर लग जायेगा। उक्त के सन्दर्भ में जब ग्राम पंचायत अधिकारी अनुपम सिंह से बात की गई तो उनसे संपर्क नही हुआ।

डुमरियागंज, इटवा,भवानीगंज,कठेला, कपिलवस्तु व पथरा पुलिस ने चलाया सघन शराब चेकिंग अभियान

संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले मे सघन शराब की दुकानों के निरीक्षण के संबंध मे आज दिनांक 29/01/2022 को सर्किल डुमरियागंज क्षेत्र में भ्रमणशील होकर सर्किल डुमरियागंज से संबंधित आबकारी विभाग द्वारा स्वीकृत देशी/अंग्रेजी शराब तथा माडल शाप आदि दुकानों की चेकिंग किया गया द। इटवा रमेश चंद्र पांडे के नेतृत्व में तथा थानाध्यक्ष इटवा श्री पंकज कुमार पाण्डेय व आबकारी निरीक्षक के साथ आगामी विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत तथा उच्च अधिकारी गणों के निर्देश के क्रम में कस्बा इटवा, महादेव आनंद नगर, पटखौली नानकार, परसा मैंना, मूसा बेलाहसा, टिकुईया चौराहा ,भीलोरी– भिलौरा आदि स्थानों की स्थानों पर शराब की दुकानों की चेकिंग किया गया ।अंजनी कुमार राय थानाध्यक्ष थाना भवानीगंज व शत्रुधन वर्मा आबकारी निरीक्षक द्वारा संयुक्त रुप से थाना क्षेत्र में देसी शराब की दुकान बयारा तथा बंनगवा नानाकार स्थित क्रमशः देसी शराब, ठंडी बियर व अंग्रेजी शराब के दुकानों की चेकिंग कर भौतिक सत्यापन किया गया। सौदागर राय प्रभारी निरीक्षक थाना कठेला समय माता द्वारा कठेला बाज़ार चौराहे पर मय फोर्स के साथ संदिग्ध ब्यक्तियो व संदिग्ध वाहन की चेकिंग किया व पैदल गस्त किया गया तथा अंग्रेजी शराब की दुकान व देशी शराब की दुकान को चेक किया गया तथा आवश्यक आदेश निर्द आबकारी इंस्पेक्टर व थाना क्षेत्र की पुलिस टीम के साथ थानाक्षेत्र कपिलवस्तु में चौनपुरवा (देशी), तिलकपुर (विदेशी), तिलकपुर (बियर) थानाक्षेत्र सिद्धार्थनगर के सनई चौराहा स्थित (देशी, विदेशी, बियर), व मॉडल शॉप– थरौली हुसैनगंज तथा थाना उसका बाजार के परसा पकड़ी चौराहा स्थित देशी शराब, अंग्रेजी शराब, बियर व एक मॉडल शॉप (कुल 09) दुकानों को चेक किया गया इसी क्रम में नौगढ़ तहसील अन्तर्गत कुल 38 देशी, 15 अंग्रेजी, 18 बियर, 02 मॉडेल शॉप व 1 भाँग की दुकान की चेकिंग की गयी । इस दौरान प्रशिक्षणाधीन क्षेत्राधिकारी श्री अखिलेश वर्मा व थाना कपिलवस्तु, उसका तथा कोतवाली सिद्धार्थनगर के पुलिस भी मौजूद रहे । आबकारी इंस्पेक्टर शत्रुघ्न वर्मा व थानाध्यक्ष थाना पथरा बाजार राजेश कुमार मौर्या की संयुक्त टीम के साथ मे सरकारी देशी शराब भग्गोभार, पथरा बाजार गंगवारे और अंग्रेजी शराब पथरा बाजार व बियर की दुकान पथरा बाजार को चेक किया गया और सही पाया गया । तत्पश्चात सेहरी बुजुर्ग मतदान केंद्र भ्रमण करते हुए वल्नरेबल पॉकेट कम्हरिया बुजुर्ग टोला डिहवा में चौपाल लगाकर लोगों से वार्ता किया गया तथा निर्भीक होकर शत प्रतिशत मतदान करने हेतु अपील किया गया।

नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीजेज़ के उन्मूलन के प्रति विश्व की प्रतिबद्धता को दर्शाता है एनटीडी दिवस

संवाददाता

बहराइच ।प्रत्येक वर्ष 30 जनवरी को पूरे विश्व में एनटीडी दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का अभिप्राय यह है कि विश्व के सारे लोग एनटीडी (नेग्लेक्टेड ट्रॉपिकल डिजीजेज़) के उन्मूलन के प्रति पूरी प्रतिबद्धता से जनांदोलन के रूप में कार्य करें ।

एनटीडी दिवस, वर्ष 2012 में लंदन की ऐतिहासिक घोषणा की वर्षगांठ को चिह्नित करता है, जो कि एनटीडी पर अधिक निवेश और कार्रवाई के लिए और अधिक सक्रिय रूप से कार्य करने के लिए क्षेत्रों, देशों और समुदायों की भागीदारी को एकीकृत करता है। वर्ष 2020 में विश्व को इन बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए पहली बार विश्व एनटीडी दिवस मनाया गया था ।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सतीश कुमार सिंह ने बताया एनटीडी जीवन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने वाले रोगों का एक समूह है, जो अधिकतर सबसे गरीब, सबसे कमजोर आबादी को प्रभावित करता है। एनटीडी में लिम्फैटिक फाइलेरिया (हाथीपांव) विसेरल लीशमैनियासिस (कालाजार), लेप्रोसी (कुष्ठरोग), डेंगू, चिकुनगुनिया, सर्पदंश, रेबीज़ जैसे रोग शामिल होते हैं, जिनकी रोकथाम संभव है; मगर फिर भी पूरी दुनिया में हर साल बहुत सारे लोग इन रोगों से प्रभावित हो जाते हैं ।भारत में भी हर साल हजारों लोग एनटीडी रोगों से संक्रमित हो जाने के कारण जीवन भर असहनीय पीड़ा में रहते हैं और विकलांग भी हो जाते हैं, जिसके कारण वे अपनी आजीविका कमाने में भी अक्षम भी हो जाते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति अत्यंत दयनीय हो जाती है ।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार विश्व में हर 5 में से 1 व्यक्ति एनटीडी से ग्रसित हैं। यह गंभीर रोग हैं जो हर जगह, हर किसी की शिक्षा, पोषण और आर्थिक विकास पर विपरीत प्रभाव डालते हैं। इनके उन्मूलन के कार्यक्रमों को प्राथमिकता देने से आर्थिक विकास, समृद्धि एवं लैंगिक समानता को भी बढ़ावा मिलेगा। विश्व में लगभग 1.7 अरब लोगों को प्रभावित करने वाली ये बीमारियां हर साल होने वाली हज़ारों मौतों का कारक भी हैं, जिनको रोका जा सकता था। भारत दुनिया भर में प्रत्येक प्रमुख एनटीडी से ग्रस्त जनसंख्या के दृष्टिकोण से पहले स्थान पर है।

वेक्टर जनित रोग कार्यक्रम अधिकारी डॉ. जयंत कुमार ने बताया कि भारत सरकार के दिशा–निर्देश और प्रतिबद्धता के अनुसार राज्य में एनटीडी के पूर्ण उन्मूलन के लिए राज्य स्तर से ग्राम स्तर तक सभी संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने जानकारी दी कि जिले में वर्ष 2020–2021 के आंकड़ों के अनुसार हाइड्रोसील के लगभग 191 मरीज़ और लिम्फेडेमा के लगभग 825 मरीज़ हैं। उन्होंने कहा कि अंतर विभागीय समन्वय बनाकर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओ की दूर–दराज इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित कर राज्य को एनटीडी से पूर्ण रूप से मुक्त करने के हर संभव प्रयास किये जा रहें हैं।

जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी बृजेश सिंह ने कहा कि एनटीडी रोगों को नेग्लेक्टेड यानि उपेक्षित समझा जाता है मगर अब इन पर स्पॉटलाइट लाने का समय है ताकि इन मुद्दों पर और अधिक ध्यान दिया जाए और इस सम्बन्ध में मिशन मोड पर कार्रवाई की जाए ।विश्व एनटीडी दिवस के अवसर पर एनटीडी के पूर्ण उन्मूलन के लिए सामुदायिक सहभागिता से कार्य किया जाये ताकि एक स्वस्थ समाज और देश का निर्माण हो सके।

बलहा की भाजपा प्रत्याशी सरोज सोनकर का मिहींपुरवा में खुला चुनाव कार्यालय

संवाददाता

बहराइच–भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी घोषित होते ही चुनावी गर्मी जोर पकडने लगी है ।भाजपा की घोषित प्रत्याशी सरोज सोनकर ने मिहीपुरवा मे चुनाव कार्यालय का शुभारम्भ विधि विधान से पूजा अर्चना करके किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के जिलाध्यक्ष श्यामकरण टेकरीवाल तथा विशिष्ठ अतिथि गुजरात से आये कच्छ के पूर्व विधायक बहराइच जिला प्रभारी पंकज मेहता रहे ।भाजपा प्रत्याशी के साथ संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि ने विधि विधान से पूजा अर्चना कर कार्यालय का शुभारम्भ किया गया ।कार्यक्रम मे भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता घूरे प्रसाद मौर्य को बलहा विधान सभा का विधानसभा संयोजक बनाया गया ।विधानसभा प्रभारी हितेश तथा विधान सभा विस्तारक मृत्युंजय व प्रत्याशी समर्थकों के साथ बूथ अध्यक्ष,सेक्टर अध्यक्ष,शक्ति केंद्र अध्यक्षों के साथ भारी संख्या में भाजपा समर्थकों की भीड़ को मुख्य अतिथि तथा विशिष्ठ अतिथि ने संबोधित किया। जिला प्रभारी पंकज मेहता जी द्वारा अपने संबोधन में प्रदेश मे भाजपा की सरकार बनाने का संकल्प दिलाया ।भाजपा के विधानसभा संयोजक घूरे प्रसाद मौर्य ने अपने संबोधन में कहा कि आज समय आ गया है । हम सभी कोरोना को ध्यान में रखते हुए घर घर जाकर राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में अवगत कराते हुए भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान कराये । प्रगतिशील किसान एवं भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता शिव शंकर सिंह ने कहा कि जिस तरह राम के सेवक हनुमान ने अपनी शक्ति का परिचय देते हुए भगवान श्रीराम को एक सच्चा सेवक मानने को मजबूर कर दिया था ।

उसी तरह हम सब कार्यकर्ताओं को भी हनुमान बनने की जरूरत है । कार्यक्रम का संचालन भाजपा के जिला महामंत्री नन्हेलाल लोधी ने किया इस अवसर पर बलहा विधायक प्रतिनिधि आलोक जिंदल, विधानसभा प्रवासी कल्पेश पटेल, अतुल पटेल, युवा भाजपा नेता प्रशांत मिश्र, वरिष्ठ भाजपा नेता कृपाराम वर्मा, विधानसभा विस्तारक मृत्युंजय राजपूत, मंडल अध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह, राजेश गुप्ता, बलराम मौर्या, तिलकराम लोधी, विक्रम सिंह, सरदार गुरमीत सिंह, रामखेलावन पाल, सुशील मौर्य, धीरज मद्धेशिया, हरगोविंद पांडे, विवेक निषाद, पंकज गिरी, रामहर्ष लोधी, अशोक वर्मा, विनोद पाल, जय प्रकाश मौर्य, मनोज गौतम सहित काफी संख्या में भाजपा समर्थक व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

समाजवादी प्रत्याशी घोषित होने पर पूर्व विधायक विजय पासवान का किया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। 303 कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक विजय पासवान को समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी घोषित होने पर अपने कपिलवस्तु विधानसभा क्षेत्र के प्रथम आगमन पर विधानसभा क्षेत्र के ककरही जोगिया करौंदा मसीना सनई चौराहा कलेक्ट्रेट चौराहा शहर चौराहा पुराना नवगढ़ सुल्तानपुर मधुबनिया बर्डपुर यूसुफपुर मुहाना सिकरी बाजार लोटन बनियाडीह सेमराहवा दहला खंडवा चौराहा सुहास चौराहा नगवा करछूलिया गौशाला उसका बाजार बिटिया मदनपुर पकड़ी कैंप कार्यालय आदि स्थानों पर समर्थकों तथाकार्यकर्ताओं ने अपने नेता पूर्व विधायक विजय पासवान जी को प्रत्याशी बनाए जाने पर माला पहनाकर और गगनभेदी नारों के साथ स्वागत किया पूर्व विधायक विजय पासवान ने अपने सभी समर्थकों शुभचिंतकों पार्टी के नेताओं कार्यकर्ताओं का आशीर्वाद प्राप्त कर सब का आभार व्यक्त कर सबको धन्यवाद देते हुए कहा कि कपिलवस्तु विधानसभा का चौमुखी विकास ही हमारा लक्ष्य है हम कपिलवस्तु विधानसभा के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।

प्रांतीय अधिवेशन में बजरंगदल के कार्यकर्ता प्रयागराज हुए रवाना

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल में शनिवार सुबह जनपद सोनभद्र के विभिन्न स्थानों से 70 कार्यकर्ता प्रांतीय अधिवेशन के लिए प्रयागराज रवाना हुए। जनपद सोनभद्र के सभी कार्यकर्ता घोरावल से होते हुए प्रयागराज के लिए निकले जिला सह मंत्री नंदलाल में भगवा झंडा दिखाकर बस को घोरावल से रवाना किया। बजरंग दल के जिला संयोजक प्रसून कुमार के नेतृत्व में जनपद के चोपन, रॉबट्र्सगंज, घोरावल, कोन, ओबरा, रेणुकूट समेत विभिन्न स्थानों के सभी कार्यकर्ता प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र में हो रहे बजरंग दल के अधिवेशन में सम्मिलित होने के लिए निकले। यह अधिवेशन शनिवार व रविवार को दो दिन तक आयोजित किया गया है। इस दौरान जय श्री राम भारत माता की जय का उद्घोष करते हुए कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह दिखा। इस दौरान बजरंग दल के विभाग संयोजक राजीव कुमार, विभाग सह संयोजक देवानंद, जिला संगठन मंत्री चंदन, घोरावल प्रखंड संयोजक शुभम, शाहगंज प्रखंड संयोजक आकाश बली, निशांत वर्मा, सनी गुप्ता, मुकेश पाठक, रणजीत पटेल, लवकेश, सतेश, राकेश, ओमप्रकाश, राजेश, प्रशांत आदि मौजूद रहे।

उपजिलाधिकारी घोरावल ने किया मतदान केन्द्रों का निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल उपजिलाधिकारी रमेश कुमार ने शनिवार को घोरावल विधानसभा के मतदान केंद्रों मुसही कला, रोप, सहिजन खुर्द, छपका, लोढ़ी, उरमौरा, तिलौली, बसौली, बहुआर ,मुठेर का निरीक्षण किया गया। इन मतदान केंद्रों पर मतदान की तैयारी के दृष्टिगत आवश्यक भौतिक सुविधाओं की स्थिति ,वेबकास्टिंग हेतु आवश्यक सुविधाएं ,वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए कृत कार्यवाही, क्रिटिकल और वनरेबल बूथों पर की गई कार्यवाही समीक्षा ,रूट और कम्युनिकेशन प्लान की समीक्षा की समीक्षा की गई।

युको बैंक घोरावल ने जरूरत मंदो को कम्बल किया वितरित

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। घोरावल नगर स्थित यूको बैंक शाखा में ठंडी से बचाव हेतु शुक्रवार को जरूरतमंद लोगों को तहसील प्रशासन द्वारा कंबल वितरित किया गया। शाखा प्रबंधक नितेश मित्तल ने बताया कि कुल 26 ज़रूरतमंद लोगों को यूको बैंक परिवार की तरफ से कंबल वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है।कंबल पाकर लोगों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर सहायक शाखा प्रबंधक मनीष कुमार, सखावत अली, मुनचुन इत्यादि रहे।

नायब तहसीलदार ने अवैध बालू खनन में लिप्त दो ट्रैक्टर ट्राली को पकड़कर पुलिस को सौंपा

संवाददाता

बढ़नी सिद्धार्थ नगर । ढेबरूआ थाना क्षेत्र के डढऊल से सटे चरगहवा नाले से अवैध बालू खनन की शिकायतों को गम्भीरता से लेते हुए शोहरतगढ़ तहसील के नायब तहसीलदार ने पुलिस बल के साथ मधवानगर से अवैध बालू से लदी ट्रैक्टर ट्राली को पकड़कर कार्यवाही हेतु ढेबरूआ पुलिस को सुपुर्द कर दिया ।

बताया जाता है कि शुक्रवार को ढेबरूआ थाना क्षेत्र में हो रहे अवैध बालू खनन की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए नायब तहसीलदार गौरव कुमार ने स्थानीय पुलिस बल के साथ ढेबरूआ थाना क्षेत्र में हो रहे अवैध बालू खनन क्षेत्र का निरीक्षण करने गये तो अवैध बालू खनन कर नहर के रास्ते मधवानगर की ओर बालू लदी दो ट्रैक्टर ट्राली आ रही थी , उनका पीछा किया गया तो उक्त ट्रालियाँ मधवानगर में एक व्यक्ति के यहाँ आकर दोनों ट्रैक्टर ट्राली रूक गयी। बताते हैं कि आनन फानन में एक ट्रैक्टर ट्राली द्वारा बालू गिरा दिया गया जबकि एक ट्रैक्टर ट्राली अवैध बालू लदा पकड़ा गया।

नायब तहसीलदार के मुताबिक जहाँ बालू आनन फानन में गिरा दिया गया वहाँ पहले से करीब 20 ट्राली अवैध खनन कर बालू डम्प पाया गया। नायब तहसीलदार गौरव कुमार ने बताया कि जाँच के दौरान पाया गया कि उक्त अवैध बालू का खनन चरगहवा नाला से किया गया है। पकड़ी गयी एक अवैध बालू से भरी व एक खाली ट्रैक्टर ट्राली को आवश्यक कार्यवाही हेतु ढेबरूआ पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। उक्त के सम्बन्ध में प्रभारी निरीक्षक थाना ढेबरूआ ब्रह्मा गौड़ ने बताया कि अवैध खनन में पकड़ी गयी ट्रैक्टर ट्रालियो को सीज कर दिया गया है।

सम्पादकीय

बहरहाल, एक अनजानी महामारी से फौरी तौर पर लोगों को सुरक्षा कवच तो मिला ही है। जिन लोगों के लिये पहली–दूसरी लहर में संक्रमण घातक हुआ उनमें से अधिकांश लोग पहले से ही गंभीर रोगों से ग्रस्त थे। बहरहाल, जो टीकाकरण से रह गये हैं उन्हें जल्दी से जल्दी टीका लगवाना चाहिए। तभी महामारी का खात्मा संभव है...

सुरक्षा कवच का साल

एक वैश्विक महामारी के खिलाफ स्वदेशी व देश में निर्मित टीकों की मदद से टीकाकरण का कामयाब साल पूरा करना हमारी उपलब्धि है। इतने कम समय में वैज्ञानिकों ने टीका हासिल किया, राजसत्ता ने इच्छाशक्ति दिखायी और चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा फ्रंट लाइन वर्करों ने उसे अंजाम तक पहुंचाया। सब कुछ जीरो से शुरू करने जैसा था, फिर भी देश ने न केवल सवा अरब से ज्यादा आबादी का ख्याल रखा बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की। हम याद रखें कि देश की आर्थिक स्थिति कैसी है, हमारा चिकित्सा तंत्र किस हाल में था और संसाधनों की क्या स्थिति है। दूसरी लहर के दौरान कई बड़े देशों ने वैक्सीन की कच्ची सामग्री देने में आनाकानी की और चीन ने कई तरह के व्यवधान पैदा किये। इतने बड़े व भौगोलिक जटिलताओं के देश के गांव–देहात में जाकर टीके लगाना निस्संदेह कठिन था। टीकों का उत्पादन और फिर सुरक्षित तापमान में लक्षित आबादी तक पहुंचाना आसान नहीं था। जब राज्यों को टीकाकरण का दायित्व दिया गया तो उस दौरान जो राजनीतिक कोलाहल हुआ, उसे देश ने देखा। सुप्रीम कोर्ट की तल्खी भी देखी। सुखद है कि देश की सत्तर फीसदी वयस्क आबादी को दोनों टीके लगे हैं। करीब 157 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। वह भी तब जब खुद स्वास्थ्यकर्मियों की जान को भी खतरा था। इनकी प्रतिबद्धता के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए राष्ट्र ने डाक टिकट जारी किया। लेकिन ऐसे वक्त में जब रोज नये संक्रमण के मामले दो लाख से अधिक आ रहे हैं और सक्रिय मामलों का आंकड़ा दस लाख पार कर गया है, तो सतर्क रहने की जरूरत है। नये वेरिएंट का खतरा टला नहीं है और वायरस के रूप बदलने की आशंका बनी हुई है। कहा जा रहा है कि ओमीक्रोन के कम घातक होने के कारण केवल अस्पताल में भर्ती होने वाले तथा मरने वालों का ही आंकड़ा जारी किया जाये। साथ ही अनावश्यक प्रतिबंधों में तार्किक ढंग से ढील दी जाये ताकि समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये रोजी–रोटी का संकट पैदा न हो। सख्ती एक नई मानवीय त्रासदी को जन्म दे सकती है। वहीं, यह अच्छी बात है कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय मार्च से बारह से पंद्रह साल के बच्चों के टीकाकरण की दिशा में बढ़ रहा है। निस्संदेह, इससे जहां अभिभावकों की चिंता दूर होगी, वहीं स्कूलों को सामान्य ढंग से खोलने में मदद मिलेगी। विकसित देश पहले ही इस दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। बल्कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करके बारह साल से छोटे बच्चों के टीकाकरण के लिये सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है। वहीं दिव्यांगों के टीकाकरण के बाबत दायर याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार ने हलफनामा दायर किया है कि किसी को जबरन टीका लगाने को बाध्य नहीं किया जाएगा। साथ ही दिव्यांगों को टीकाकरण का प्रमाणपत्र दिखाने की बाबत कहा कि किसी मानक प्रक्रिया के तहत यह अनिवार्य नहीं है। बहरहाल, इतना जरूर है कि दिव्यांगों की दिक्कतों के चलते उनके घर–घर जाकर टीका लगाने की जरूरत है। लेकिन जब भारत में कोरोना संक्रमण के मामले अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर हैं तो नागरिकों से सजग–सतर्क व्यवहार की उम्मीद है। हम न भूलें कि इतने बड़े अभियान के बाद करोड़ों लोग ऐसे भी हैं जो आज भी टीका लगाने से बच रहे हैं। तीसरी लहर के आंकड़े बता रहे हैं कि अस्पताल में भर्ती होने वालों व मरने वालों में वे ही लोग ज्यादा हैं, जिन्होंने टीका नहीं लगवाया। निस्संदेह, दोनों टीके लगाने के बाद भी कुछ लोगों को संक्रमण हुआ है, लेकिन यह कम घातक रहा और अस्पताल में भर्ती होने की नौबत नहीं आयी।

कविता

गजल

वो यूँ करते हैं मेहनत रात– दिन खेती, किसानी में,
कमरझुक जाती है अक्सर किसानों की जवानी में ।।

गरीबी,बेबसी,बीमारियां, लाचारियां, साहब !
यही कुछ लफ्ज होते हैं गरीबों की कहानी में ।।

मिले भट्ठी पे छोटू और भट्ठे पर दिखे मुनिया,
बहस बचपन बचाने की छिड़ी है राजधानी में ।।

सियासत में हुए मशहूर कुछ गुमनाम से चेहरे,
महारत हो गई हासिल उन्हें जब बदजुबानी में ।।

बुरी हो लाख दुनिया नियाज, अच्छाई इसी में है!
रहो मिलकर सभी से चार दिन की जिन्दगानी में ।।

सिद्धार्थनगर।
नियाज कपिलवस्तुवी/
दैनिक बुद्ध का संदेश

दहिमन संजीवनी असाध्य रोगों में है रामबाण दवा

सदियों से जब विश्व में अंग्रेजी दवाओं का आविष्कार नहीं हुआ था तब से लेकर अंग्रेजी दवाओं के जन्म तक आयुर्वेदिक औषधियों वनस्पति जड़ी बूटी आदि के जरिए असाध्य रोगों का उपचार आयुर्वेदाचार्यों/ऋषिमुनियों द्वारा किये जाने के प्रमाण वेद और पुराणों में मौजूद है। प्राचीन भारत में राजाओं के मध्य सत्ता संघर्ष को लेकर होने वाले महायुद्धों में आयुर्वेदिक औषधियों का चमत्कार सर्वविदित है...

कृष्णा सिंह बाबा

छत्तीसगढ़ तथा मध्यप्रदेश के कुछ जंगलों में पाये जाने वाला दहिमन का पेड़ औषधियों से परिपूर्ण है। इसे देव पौधा भी कहा जाता है। किन्तु उचित देखभाल के अभाव में यह विलुप्त होता जा रहा है। छत्तीसगढ़ के सरगूजा संभाग के कोरिया जिले में इस पौधे को संरक्षित रखने का काम यहां के रेंजर अखिलेश मिश्रा के द्वारा लगातार किया जा रहा हैं। जिससे क्षेत्र में अब दहिमन के पेड़ बढ़ रहे हैं वहीं इसके पौधे भी सुरक्षित तरीके से तैयार किये जा रहे हैं। सदियों से जब विश्व में अंग्रेजी दवाओं का आविष्कार नहीं हुआ था तब से लेकर अंग्रेजी दवाओं के जन्म तक आयुर्वेदिक औषधियों वनस्पति जड़ी बूटी आदि के जरिए असाध्य रोगों का उपचार आयुर्वेदाचार्योंध्ऋषिमुनियों द्वारा किये जाने के प्रमाण वेद और पुराणों में मौजूद है। प्राचीन भारत में राजाओं के मध्य सत्ता संघर्ष को लेकर होने वाले महायुद्धों में आयुर्वेदिक औषधियों का चमत्कार सर्वविदित है। गोस्वामी तुलसी दास कृत रामायण में भी राम रावण के बीच होने वाले युद्ध में लक्ष्मण के मूर्छित होने पर महाबली हनुमान द्वारा संजीवनी बूटी की खोज में पूरा पर्वत उठाकर लाने का प्रसंग आज भी आयुर्वेदिक औषधियों के महत्व को असाध्य बीमारियों के उपचार में प्रतिपादित करता है। जहां अंग्रेजी दवाओं का सफर कम होता है वहां आयुर्वेदिक उपचार ही मरीज को लाभांवित करता है इस संबंध में सरगुजा संभाग के घने वनों से घिरे कोरिया के रेंजर अखिलेश मिश्रा द्वारा जनहित में आयुर्वेदिक दहिमन संजीवनी का विलुप्त होने पर चिंतन व्यक्त करते हुए उसके महत्व को आधुनिक संदर्भ में विस्तार से आम लोगों को जानकारी उपलब्ध कराने के पीछे जड़ी बूटी के महत्व को आम लोगों को जनवाना है इसी कड़ी में मिश्रा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार भारत को आयुर्वेद का गुरु माना जाता है, क्योंकि यहां सदियों से आयुर्वेद को लेकर बड़े–बड़े शोध होते रहे हैं. यहां ऐसी कई दुर्लभ प्रजातियों पेड़ पौधों पाए जाते हैं, जो कई असाध्य रोगों के लिए रामबाण उपयोगी साबित हुए है. इन्हीं में से एक है दहिमन का पेड़, जो काफी दुर्लभ होता है और आसानी से इसकी पहचान नहीं की जा सकती. इस पेड़ के फल, पत्ती, जड़ तना सभी कुछ असाध्य रोगों और शारीरिक समस्या के लिए काम आता है. कई तरह की बीमारियों में ये संजीवनी का भी काम करता है.

रामबाण दहिमन संजीवनी मरीजों की चिकित्सा के लिए सर्वोत्तम औषधि

दहिमन पेड़ का बॉटेनिकल नाम कॉर्डिया मैकलोडी हुक है, जिसे दहिमन या देहिपलस के नाम से भी जाना जाता है, दहिमन एक औषधीय गुणों से भरपूर पेड़ है. जो किसी भी प्रकार की संजीवनी बूटी से कम नहीं है. कहा जाता है कि यह कैंसर जैसी घातक बीमारी को भी ठीक कर सकती है. दहिमन के बारे में हमारे ग्रंथों में भी वर्णन किया गया है और लोगों की कुछ धार्मिक आस्था भी इस पेड़ से जुड़ी हुई है.

शहडोल जिले के जंगलों में औषधिय महत्व के कई वनस्पती पाए जाते हैं, जिनके बारे में क्षेत्र के लोगों को जानकारी नहीं है. ऐसा ही है दहिमन का पेड़ जो शहडोल जंगलों में पाया जाता है, लेकिन जानकारी के आभाव में विलुप्ति की कगार पर हैं, यही कारण है कि अब यह ढूंढने से ही मिलता है, लेकिन इसका समय रहते संरक्षण नहीं किया गया तो औषधीय महत्व का ये पेड़ भी कब विलुप्त हो जाएगा किसी को पता भी नहीं चलेगा.

विलुप्त होती दहिमन संजीवनी

दहिमन का पौधा छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में काफी तादाद में पाया जाता है. इसके बहुत सारे औषधीय गुण हैं. इसके अलग–अलग तरीके से उपयोग से अलग अलग बिमारियों से निजात मिल सकती है. दहिमन, पित्त की बीमारियों को बैलेंस करता हैं, साथ ही हाइपरटेंसिव सीवीए की प्रॉब्लम, सेरिब्रोवस्कुलर अटैक, लकवा वगैरह का पेशेंट भी दहिमन का प्रयोग कर आराम पा सकता है.

ब्रेन में क्लॉट में दहिमन का पत्तियों का लेप लगाना और माला पहनने से क्लॉट डिसॉल्व होने लगता है. कई मामलों में इसका उपयोग जहर का प्रबाव कम करने के लिए होता है. कम नींद और ज्यादा नींद के मरीजों की मानसिक स्थिति को संतुलित करता है. अगर कोई मानसिक रोगी शराब नहीं छोड़ पा रहा है तो उसके लिए भी यह बहुत उपयोगी है. सांप के काटने पर भी इसका उपयोग जहर के कम करने के लिए किया जाता. दहिमन के पौधे को लेकर कुछ जानकर बताते हैं कि अंग्रेजों के समय में यह पेड़ बहुत अधिक संख्या में पाए जाते थे. इसके पत्तों पर कुछ लिखा जाए तो यह उभरकर सामने आ जाता है. इसलिए इसके पत्तों का उपयोग क्रांतिकारी गुप्तचर संदेश भेजने के लिए किया करते थे लेकिन जब इस बात का पता अंग्रेजों को चला तो उन्होंने इसके पेड़ को काटने का आदेश दे दिया इसलिए दहिमन का वृक्ष केवल कुछ जगह पर ही बचे हैं। रेंजर बैकुंठपुर अखिलेश मिश्रा ने बताया की दहिमन का पौधा औषधिा पौधा होता है यह प्रजाति विलुप्ति के कगार पे है पर हमने इसे फिर से लोगो के बीच लाने का प्रयास किया है और बैकुंठपुर रेंज अन्तर्गत आनंदपुर नर्सरी में इस प्रजाति को पुनरू तैयार किया जा रहा है कई हजार पौधे हमने तैयार किया है और लोगों को उपलब्ध भी करवा रहे हैं जितना ज्यादा हो सके इसका लाभ लोगों तक पहुंचे।

नई तकनीक के साथ रोजगार संरक्षण

हमारे सामने दो रास्ते हैं। यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन करायेंगे तो बेरोजगारी बढ़ेगी, अपराध बढ़ेंगे, बेरोजगारी भत्ता देना होगा और अपराध से भी आर्थिक विकास का ह्रास होगा। इन बेरोजगारी भत्ते और अपराध के नियन्त्रण के मूल्य को यदि छोटे उद्योगों को आर्थिक सहायता के रूप में दे दिया जाए तो छोटे उद्योग चल निकलेंगे, उनके द्वारा रोजगार उत्पन्न होंगे और ये खर्च करने की सरकार को जरूरत नहीं ...

भरत झुनझुनवाला

तमाम वैश्विक आकलनों के अनुसार भारत विश्व की सबसे तेज आर्थिक विकास हासिल करने वाली अर्थव्यवस्था बन चुका है। वैश्विक सलाहकारी संस्था प्राइस वाटरहाउस कूपर्स ने कहा है कि साल 2050 में भारत चीन के बाद विश्व की नंबर 2 अर्थव्यवस्था बन सकता है यदि आर्थिक सुधारों को लागू किया जाए। सामान्य रूप से वैश्विक संस्थाओं का दबाव रहता है कि जीएसटी, बुनियादी संरचना, पूंजी के मुक्त आवागमन और मुक्त व्यापार जैसे सुधारों को लागू किया जाए। गौर करने वाली बात यह है कि इन्हीं सुधारों को लागू करने के बावजूद हमारी आर्थिक विकास दर पिछले छह वर्षों में लगातार गिर रही है। इसलिए इतना सही है कि हमें आर्थिक नीतियों में बदलाव करना पड़ेगा। लेकिन यह सही नहीं कि इन्हीं आर्थिक सुधारों के सहारे हम आगे बढ़ सकेंगे। यहां विश्व की सबसे तेज बढने वाली अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास दर में गिरावट के विरोधाभास से भ्रमित नहीं होना चाहिए चूंकि हमारी कथित तेज विकास दर अंधों में काना राजा जैसी है।

सत्य यह है कि हमारी आर्थिक विकास दर में गिरावट केवल आर्थिक नीतियों के बल पर नहीं संभल सकती है। वर्तमान वैश्विक अर्थव्यवस्था में सबसे बड़ी चुनौती नई तकनीकों से सामंजस्य बैठाने की है। सेंट स्टीफेंस यूनिवर्सिटी कनाडा के प्रोफेसर मैथ्यू जानसन ने कहा है कि साल 2035 तक 50 प्रतिशत रोजगार का हनन हो जाएगा क्योंकि ये कार्य रोबोट द्वारा किये जायेंगे। भारत के लिए यह परिस्थिति विशेषकर दुरूह है क्योंकि बड़ी संख्या में युवा हमारे श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। यदि इन्हें आय अर्जित करने के समुचित अवसर नहीं मिलेंगे तो ये कुंठित होंगे और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होंगे। औरंगाबाद महाराष्ट्र के एक प्रोफेसर ने बताया कि उनके एमए की डिग्री हासिल किये हुए छात्र एटीएम तोडने जैसी आपराधिक घटनाओं में लिप्त हो रहे हैं क्योंकि उनके पास रोजगार नहीं हैं। दूसरी तरफ, केरल में एक रेस्तरां में एक रोबोट द्वारा भोजन परोसा जा रहा है और हमारी अपनी मेट्रो में भी बिना ड्राइवर की ट्रेन को चलाया गया है। इसलिए दो परस्पर विरोधी चाल हमारे सामने हैं। एक तरफ नई तकनीकों के उपयोग से रोजगार का हनन हो रहा है तो दूसरी ओर बड़ी संख्या में युवा श्रम बाजार में प्रवेश कर रहे हैं।

इस समस्या को और गंभीर बनाया है हमारी उन नीतियों ने, जिनमें छोटे उद्यमियों को बड़े उद्यमों से सीधे प्रतिस्पर्धा में खड़े होने के लिए कहा गया है। बड़े उद्योगों की उत्पादन लागत कम आती है। जैसे दवा का उत्पादन करने वाली बड़ी कम्पनी कच्चे माल को चीन से आयात करेगी, कंटेनर को ब्राजील से लाएगी और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जर्मनी से आयात करेगी। इनके पास अच्छी गुणवत्ता के इंजीनियर होंगे। बड़े पैमाने पर भी उत्पादन करने से लागत कम आती है, जैसे घानी से तेल निकालने में लागत ज्यादा आती है जबकि एक्सपेलर में लागत कम आती है। इसलिए बड़े उद्योगों को बढ़ावा देकर हम सस्ते माल का उत्पादन अवश्य कर रहे हैं लेकिन इसमें रोजगार का हनन हो रहा है। हमारे सामने ही नहीं बल्कि विश्व के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि हम युवाओं को इस बदलते तकनीकी परिदृष्य में रोजगार उपलब्ध करायें।

अंतर्राष्ट्रीय सलाहकारी कम्पनी आर्थर डी लिटिल और बैंक ऑफ अमेरिका ने कहा है कि स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहन और छोटे उद्योगों को सहायता देनी चाहिए। लेकिन प्रोत्साहन पर्याप्त नहीं होगा। कारण यह कि छोटे उद्यमी की उत्पादन लागत ज्यादा आयेगी ही। इन्हें कच्चा माल थोड़ी मात्रा में स्थानीय सप्लायर से खरीदना पड़ता है, तुलना में घटिया गुणवत्ता के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण लगाने पड़ते हैं, और एक ही व्यक्ति को उत्पादन, बैंक, खाता, श्रमिक, आदि सब काम देखने पड़ते हैं। इन सभी कार्यों में इनकी कुशलता बड़ी कम्पनियों की तुलना में न्यून होती है। इस समस्या का समाधान भारत सरकार द्वारा छोटे उद्योगों के क्लस्टर बनाकर हासिल करने का प्रयास किया जा रहा है। मनमोहन सिंह सरकार के समय एक कमेटी ने कहा था कि छोटे उद्योगों का विशेष स्थानों पर एक झुंड बना दिया जाए जैसे मुरादाबाद में पीतल के सामान का और लुधियाना में होजरी का तो ये बड़े उद्योगों का सामना करने में सक्षम हो सकते हैं। इनके कई कार्य सामूहिक स्तर पर किये जा सकते हैं जैसे कच्चे माल की गुणवत्ता की टेस्टिंग करना अथवा प्रदूषण नियन्त्रण के उपकरण सामूहिक रूप से स्थापित करना इत्यादि। लेकिन इस नीति के बावजूद अपने देश में छोटे उद्योग पिट रहे हैं और रोजगार की समस्या गहराती जा रही है। इसलिए केवल समर्थन की हवाई बातों को करने के स्थान पर हमें समझना होगा कि छोटे उद्योगों को यदि जीवित रखना है तो उन्हें वित्तीय सहायता देनी ही पड़ेगी। हमें यह स्वीकार करना होगा कि छोटे उद्योगों द्वारा बनाये गये माल की लागत अधिक होगी। जैसे बड़े उद्योग में बनाई गयी टीशर्ट 200 रुपये में उपलब्ध हो सकती है तो छोटे उद्योग द्वारा 250 रुपये में। इस ऊंचे मूल्य को उपभोक्ताओं को वहन करना होगा। जो टीशर्ट हमें बड़ी कम्पनी से 200 रुपये में मिल सकती है उसे छोटे उद्योगों से उपभोक्ता को 250 रुपये में खरीदना होगा। प्रश्न है कि ऐसा क्यों किया जाए? मेरा मानना है कि हमें इस 50 रुपये के अतिरिक्त खर्च को श्रोजगार टैक्सश्च के रूप में देखना चाहिए। हमारे सामने दो रास्ते हैं। यदि हम बड़े उद्योगों से उत्पादन करायेंगे तो बेरोजगारी बढ़ेगी, अपराध बढ़ेंगे, बेरोजगारी भत्ता देना होगा और अपराध से भी आर्थिक विकास का ह्रास होगा। इन बेरोजगारी भत्ते और अपराध के नियन्त्रण के मूल्य को यदि छोटे उद्योगों को आर्थिक सहायता के रूप में दे दिया जाए तो छोटे उद्योग चल निकलेंगे, उनके द्वारा रोजगार उत्पन्न होंगे और ये खर्च करने की सरकार को जरूरत नहीं पड़ेगी।

सुदूर तराई आंचल में शिक्षा का अलख जगाता जग प्रसाद बर्मा शिक्षण संस्थान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। जनपद से दूर नेपाल भारत सीमा बॉर्डर पर स्थित बरदौलिया बाजार से सटे जग प्रसाद वर्मा शिक्षण संस्थान तराई के सुदूर क्षेत्रों में अपने मेहनत व लगन से ग्रामीण परिवार के बच्चों को शिक्षित करने का अलख जगा रहा है उक्त विद्यालय मे बॉर्डर सीमा से सटे ग्रामीणों के बच्चे कच्चे पक्के रास्तों से होकर इस विद्यालय में आकर अध्ययन कर रहे हैं विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश वर्मा ने बताया की हमारा विद्यालय सरकारी आदेशों निर्देशों और खासकर कोविड प्रोटोकॉल का पूर्णतया पालन कर रहा है सरकारी निर्देशों के अनुरूप विद्यालय चलाया जा रहा है बच्चों को मास्क लगाने के साथ बैठाने पर उनके बीच निर्धारित दूरियां रखी जाती है विशेष परिस्थितियों में विद्यालय अवकाश कर दी जाती है साथ ही देश के राष्ट्रीय त्योहार गणतंत्र दिवस व स्वतंत्रता दिवस पर तरह–तरह के आयोजन कर मिठाइयां बांटी जाती है तथा बच्चों के शारीरिक मानसिक बौद्धिक विकास के लिए तरह–तरह के खेलकूद व विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जाता है उन्होंने बताया कि विद्यालय में बच्चों को पढ़ाने हेतु अच्छी शिक्षिकाओं को लगाया गया है जिससे कि शिक्षा की गुणवत्ता मे गिरावट ना हो सके साथ ही विद्यालय में वार्षिक उत्सव कराने के दौरान प्रतिभागी छात्र–छात्राओं शिक्षक– शिक्षिकाओं को पुरस्कृत किया जाता है जिससे कि उनका मनोबल ऊंचा रहे।

बढ़ती ठंड में हड्डी और जोड़ों में दर्द की शिकायत हो तो चिकित्सक की सलाह पर कीजिए ये उपाय

एजेंसी

सर्दी के मौसम में कई तरह के संक्रमण के साथ हड्डियों व उनके जोड़ों में दर्द की समस्याएं भी अचानक बढ़ जाती हैं। खासतौर पर उम्र बढ़ने के साथ महिलाओं में यह दिक्कत आम हो जाती है। जैसे–जैसे कंपकंपाने वाली ठंड बढ़ती है, वैसे–वैसे लोगों में जोड़ों के दर्द की परेशानियां भी बढ़ने लगती है। चूंकि ठंड के मौसम में लोग शारीरिक काम गर्मियों के मुकाबले कम करते हैं। इसलिए उनकी हड्डी अकड़ने के साथ कमजोर हो जाती है। ऐसे में विटामिन–डी हड्डियों की सेहत के लिए लाभदायक हो सकता है। चिकित्सकों के मुताबिक, ठंड के मौसम में खासकर वृद्धों में हड्डी संबंधी बीमारियां बढ़ गई हैं। उनके जोड़ों का दर्द उनकी परेशानियों का सबब बन गया है। पर्याप्त मात्रा में विटामिन–डी नहीं मिलने से इस तरह की बीमारियों का प्रकोप बढ़ता है। वहीं, ठंड में बच्चों में रिकेट नामक व वयस्कों में ओस्टोमलेशिया नामक बीमारी बढ़ती है। भीषण ठंड में घुटने, कमर, पीठ व शरीर के अन्य हिस्सों में दर्द की शिकायत बढ़ जाती है। हालांकि, कतिपय असावधानी के कारण दर्द पर नियंत्रण नहीं हो पाता है। सर्दियों में हड्डी रोगों की दिक्कतें ज्यादा हो जाती है। इसलिए ऐसे रोगियों को समय पर दवाई लेने और व्यायाम के साथ–साथ धूप सेंकने की सलाह दी जा रही है। ठंड में मांस–पेशियों में ऐंठन और कुछ सख्ती आ जाती है, जिसका असर जोड़ों पर पड़ता है। इस सम्बन्ध में डॉ अमित शर्मा, वरिष्ठ हड्डी, जोड़ रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ ने बताया कि हालांकि वैज्ञानिक तौर पर कोई एक कारण की पुष्टि नहीं हो सकी है जिसको जोड़ और हड्डी की दर्द का कारण माना जा सके, लेकिन कुछ कारण जो अनुसंधानों में सामने आए हैं वो इस प्रकार हैं– पहला, ठंड में मांस–पेशियों में ऐंठन और कुछ सख्ती आ जाती है, जिसका असर जोड़ों पर पड़ता है। दूसरा, ठण्ड की वजह से जोड़ों में रक्त का प्रवाह भी धीमा पड़ जाता है, जो हड्डियों का दर्द बढ़ने की वजह बनता है। तीसरा, सर्दियों में हमारे शरीर को धूप कम मिल पाती है जिससे हमारे शरीर में विटामिन–डी की कमी हो जाती है। इससे भी जोड़ों में दर्द और हड्डियों में अकड़न आ सकती है। चतुर्थ, सर्दियों में एक और समस्या रहती है कि हम एक ही जगह पर ज्यादा देर तक बैठे रहते हैं और धूमना फिरना भी कम हो जाता है, ऐसे में दर्द की समस्या बढ़ जाती है। वहीं, इस बारे में डॉ देवेंद्र दवे, वरिष्ठ हड्डी, जोड़ रोग एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ पूछे जाने पर बताते हैं कि ठण्ड के दिनों में मांशपेशियों, हड्डी एवं जोड़ों के दर्द से बचने के लिए सबसे जरूरी है कि आप व्यायाम जरूर करें, सैर जारी रखे। यदि ठण्ड ज्यादा हो तो घर के अंदर ही व्यायाम करें और एक ही जगह लम्बे समय तक बैठे रहने से बचें और थोड़ी थोड़ी देर में हल्का व्यायाम या स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज करें। इसके अलावा, ज्यादा वसायुक्त और मीठा खाने से परहेज करें अन्यथा यह वजन बढ़ा सकता है और बढ़े हुए वजन से जोड़ों पर अधिक दबाव बनेगा। इसलिए जरूरी है कि खाने में एंटीऑक्सीडेंट युक्त चीजें खाएं एवं सुबह की धूप लेने की कोशिश करें। घर में उचित तापमान रखें, वूलेन एवं वार्मर पहनें।

आमतौर पर भीषण ठंड में हड्डी और जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ी है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाओं में ये समस्याएं

अधिक देखने को मिल रही हैं। सामान्य अस्पताल से लेकर निजी अस्पतालों की ओपीडी में लगातार मरीजों की संख्या बढ़ रही है। एक आकलन के मुताबिक, पहले जहां 50 मरीज रोजाना आते थे, वहीं इन दिनों में इनकी संख्या बढ़कर 100 या उससे भी अधिक हो चुकी हैं। इस वजह से एक्सरे कराने के लिए भी लंबी कतारें लगने लगी हैं।

हड्डी रोग विशेषज्ञ बताते हैं कि ठंड में जोड़ों का दर्द किसी को भी अपनी चपेट में ले सकता है। हालांकि, जिनकी हड्डियां थोड़ी कमजोर होती हैं, उनको ये अधिक ही प्रभावित करती हैं। इसलिए बदलते मौसम में भीषण ठंड का जोड़ों के दर्द से गहरा संबंध है, जिसे समझने की जरूरत है। दरअसल, तापमान में कमी के कारण नसें सिकुड़ने लगती हैं और विटामिन डी की कमी के कारण हड्डियों और जोड़ों का दर्द बढ़ जाता है।

देखा जा रहा है कि इन दिनों ओपीडी में ज्यादातर मरीज दर्द की शिकायत के साथ आ रहे हैं। सामान्यतया ऐसे लोगों को दवा तो दी ही जाती है और बचाव के तरीके से भी अवगत कराया जाता है। बिना चिकित्सक की सलाह के किसी भी तरह की एक्सरसाइज या योग न करने की सलाह दी जाती है। इससे समस्या और अधिक बढ़ सकती है। दर्द की स्थिति में बिना चिकित्सक की सलाह के कोई भी पेन किलर या अन्य दवा का सेवन न करें।

यदि किसी व्यक्ति को चलने, खड़े होने, हिलने–डुलने और आराम करते समय भी दर्द महसूस हो, तो उसे सावधान हो जाना चाहिए। सूजन होना, चलने पर जोड़ों का लॉक हो जाना और जोड़ों में कड़ापन भी इन दिनों आम बात होती जा रही है। इसलिए बचाव के लिए ज्यादातर शरीर को ढकने वाले कपड़े पहनें, शरीर को गर्म रखने की कोशिश करें, ज्यादा प्रोटीन वाला खाना खाएं और मछली, मीट, अंडे, मूंगफली के अलावा ज्यादा पानी पीएं। ऐसे में धूप सेंकने से भी काफी राहत मिलती है। वहीं, योग से सर्वाइकल की समस्या को दूर करने की सलाह दी जाती है। हां, दर्द से बचने के लिए रोजाना सैर जरूर करनी चाहिए। सुबह या शाम के समय हल्की धूप में बैठना फायदेमंद होता है।

बताया जाता है कि मरीज की स्किन जब सूरज की किरणों के संपर्क में आती है, तो हमारा शरीर विटामिन–डी बनाता है, जिससे हड्डियां मजबूत रहती हैं। लेकिन सर्दियों में धूप कम देर तक रहती है। इसलिए शरीर इसे ठीक से नहीं बना पाता है। लिहाजा बढ़ती उम्र के साथ भी ठंड में हड्डियों में दर्द शुरू हो जाता है। ठंड के मौसम में गुनगुने पानी से नहाना चाहिए। गर्म पानी शरीर की अकड़न को दूर कर उसमें लचीलापन बनाए रखता है। दरअसल, शरीर को फिजिकली एक्टिव रखने से हड्डियां कमजोर नहीं पड़ती और लचीली भी रहती हैं। वर्कआउट से हड्डियों में मजबूती आती है और वे सेहतमंद रहती हैं। यहां तक कि सर्दियों में भी रोजाना वर्कआउट करना चाहिए। सैर के साथ वर्कआउट भी जरूरी होता है।

प्रेगनेंसी में खून की कमी है खतरनाक, माँ और बच्चे को हो सकती हैं ये गंभीर समस्याएं

एजेंसी

प्रेगनेंसी के दौरान एक महिला के शरीर में कई तरह के बदलाव आते हैं। प्रेगनेंसी के दौरान ज्यादातर महिलाओं को उल्टी आना, जी मिचलना और चक्कर आना जैसी परेशानियों से जूझना पड़ता है। प्रेगनेंसी के दौरान एक गर्भवती महिला के शरीर को कई तरह के पोषक तत्वों की जरूरत होती है। शरीर में इन तत्वों की कमी से प्रेगनेंट महिला और उसके शिशु के स्वास्थ्य और विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। प्रेगनेंसी में अधिकतर महिलाओं को एनीमिया यानि खून की कमी की शिकायत होती है। एनीमिया की समस्या में गर्भवती महिला के खून में हीमोग्लोबिन का स्तर सामान्य से कम हो जाता है। शरीर में हीमोग्लोबिन का स्तर गिरने से खून में आयरन की कमी हो जाती है। प्रेगनेंसी के दौरान शरीर में खून की कमी के कारण गर्भवती महिला और होने वाले शिशु के स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है। प्रेगनेंसी के दौरान माँ में खून की कमी के कारण बच्चे की इम्युनिटी और उसके शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। आज के इस लेख में हम आपको बताएंगे कि प्रेगनेंसी के दौरान माँ में खून की कमी होने से बच्चे पर क्या असर होता है–

डिलीवरी के दौरान जटिलताएँ

प्रेगनेंसी के दौरान एनीमिया होने से प्रसव से पहले दर्द उठने की संभावना अधिक बढ़ जाती है। इसके साथ ही एनीमिया के कारण प्रसव के दौरान कई तरह की जटिलताओं का सामना करना पड़ सकता है। इससे डिलीवरी के दौरान खून चढ़ाने की आवश्यकता पड़ सकती है।

प्रीमैच्योर डिलीवरी का खतरा

यदि प्रेगनेंसी के दौरान माँ को एनीमिया की शिकायत हो तो इससे प्रीमैच्योर डिलीवरी होने की संभवना ज़्यादा रहती है। यदि गर्भवस्था के दौरान महिला को खून की कमी हो तो इससे होने वाला शिशु कमजोर पैदा होता है।

बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर बुरा असर

गर्भवस्था के दौरान माँ में खून की कमी हो तो इसका होने वाले शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव होता है। गर्भ में पल रहे शिशु के दिमाग और नर्वस सिस्टम के लिए सही विकास के लिए आयरन की जरुरत होती है। ऐसे में अगर माँ को एनीमिया हो तो इससे जन्म के समय शिशु में आयरन का कम स्तर रहता है जिससे उसका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित होता है।

स्टिलबर्थ का खतरा

प्रेगनेंसी के दौरान माँ में खून की कमी से मृत शिशु के जन्म (स्टिलबर्थ) या नवजात शिशु की मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। इसके साथ ही प्रेगनेंसी के दौरान एनीमिया की शिकायत होने से प्रसव से बाद गर्भवती को डिप्रेशन की समस्या हो सकती है, जिसे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है।

पोर्न फिल्मों की शूटिंग के दौरान होती है जबरदस्ती? मिया खलीफा ने बताया सच

एजेंसी

पोर्न स्टार मिया खलीफा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है। महज 21 साल की उम्र में उन्होंने पोर्न फिल्मों में काम करके दुनियाभर में अपनी छाप छोड़ दी थी। भले ही उन्होंने पोर्न फिल्म इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया हो पर इसके बदौलत मिली शोहरत का वह आज भी लुफ्त उठा रही हैं। पोर्न इंडस्ट्री को अलविदा कहने के बाद मिया खलीफा ने कई इंटरव्यू दिए थे जिनमें उन्होंने अपने पोर्न स्टार होने के अनुभव और पोर्न फिल्मों की शूटिंग के बारे में बात की थी।

अपने इंटरव्यू के मिया खलीफा ने काफी चौकाने वाले खुलासे किये थे और पोर्न इंडस्ट्री के सच के बारे में बात की थी। इंटरव्यू में मिया से पूछा गया था कि गूगल पर उनका नाम सर्च करते ही उनकी पोर्न वीडियोज आ जाती है क्या उन्हें लगता है कि वह अपनी पोर्न स्टार की छवि से निकल पाएंगी। इसके जवाब में मिया ने कहा कि मैं अपने नाम के साथ जुड़े पोर्न स्टार शब्द को हटवाना चाहती हूँ। मैंने विकिपीडिया से अपने नाम के आगे से यह शब्द हटवाने के लिए क़ानूनी सहारा भी लिया पर कंपनी ने मेरी एक नहीं सुनी। आगे बात करते हुए मिया खलीफा ने पोर्न इंडस्ट्री में अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात करते हुए बताया कि किसी के बताने पर वह उस स्टूडियो गयी थी तब उन्हें नहीं पता था कि वह पोर्न फिल्म शूट होती हैं। पहले दिन वहां जाकर मैंने सिर्फ बात की, वहाँ पर मौजूद सब लोग काफी अच्छे थे मुझे उनसे मिलकर डर नहीं लगा। दूसरी बार जब मैं स्टूडियो गयी तब मैंने पोर्न शूट की। स्टूडियो काफी सुंदर था और वहाँ जो भी हुआ उससे मैंने असहज महसूस नहीं किया। इंटरव्यू में मिया से पूछा गया कि अगर वह पोर्न फिल्म में कोई एक्ट नहीं करना चाहती तो क्या उनपर उन्हें करने का दबाब डाला जाता था। इसके जवाब में मिया ने कहा कि नहीं ऐसा नहीं होता है। अगर वह जबरदस्ती आपसे कोई सेक्स सीन शूट करवाएंगे तो वह रेप हो जायेगा और ऐसा होने पर आप कंपनी पर केस कर सकते हैं। साल 2014 में मिया खलीफा ने पोर्न इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया था और काफी कम समय में उन्होंने अपनी एक अलग पहचान बना ली थी। पर इसके बावजूद साल 2016 में उन्होंने इस इंडस्ट्री को अलविदा कह दिया।

इन 5 तरीकों से करेंगे एलोवेरा का सेवन तो झट से घटेगा वज़न

एजेंसी

नई दिल्ली। एलोवेरा एक ऐसा पौधा है जिसका उपयोग विभिन्न प्रयोजनों के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। बहुमुखी पौधा होने के कारण, त्वचा, शरीर और समग्र स्वास्थ्य के लिए इसके कई उपयोग और लाभ हैं। क्योंकि एलोवेरा जेल एक अच्छा मॉइश्चराइज़िंग एजेंट होता है इसलिए इसका इस्तेमाल ब्यूटी प्रोडक्ट्स में भी खूब किया जाता है। इसके एंटीबैक्टीरियल गुणों की वजह से इसका इस्तेमाल हेल्थ ड्रिंक्स में भी किया जाता है।

यह डेंटल प्लाक को कम करने और कब्ज़ आदि जैसे गैस्ट्रिक विकारों में मदद करने में भी मददगार पाया गया है। इसके अलावा एलोवेरा कटने, घाव, जलने और मसूड़ों व आंखों में संक्रमण में भी आराम देने के लिए जाना जाात है। साथ ही एलोवेरा के सेवन से वज़न घटाने में भी मदद मिल सकती है। तो अगर आप भी वज़न घटाना चाह रही हैं, तो इन 5 तरीकों से एलोवेरा का सेवन करें।

सब्ज़ियों के जूस के साथ मिक्स करें

सब्ज़ियों के जूस के साथ एलोवेरा को मिलाकर पीने से इसका कसेला स्वाद महसूस नहीं होगा। एलोवेरा के जूस का स्वाद अच्छा नहीं होता इसलिए इसे पीना आसान नहीं है।

खाने से पहले इसका सेवन करें

खाने से पहले एलोवेरा जूस पीने से वज़न घटाने में मदद मिलती है। खाने से पहले एक चम्मच एलोवेरा खाने से पाचन बेहतर होता है जिससे वज़न कम करने में मदद मिलती है। साथ ही यह मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है जिससे बॉडी फैट्स बर्न होते हैं।

गर्म पानी के साथ इसे लें

फैट बर्न करने और वज़न घटाने के लिए गुनगुना पानी बेस्ट माना जाता है। रोज़ाना खाली पेट एक या दो गिलास गुनगुना पानी पीने से वज़न कम होता है। साथ ही अगर आप गुनगुने पानी के साथ एलोवेरा का सेवन भी करेंगी तो आपका वज़न तेज़ी से घटेगा।

नींबू के रस के साथ

वज़न कम करने के लिए नींबू का रस भी काफी कारगर साबित हो सकता है। नींबू पानी में एलोवेरा जूस मिलाने से आपका वज़न जल्दी घट सकता है।

इसे शहद के साथ मिलाएं

आप एलोवेरा जूस में कुछ बूंदे शहद की मिला सकते हैं, जिससे इसका स्वाद बेहतर हो जाएगा।

डाइट में शामिल करेंगे नाशपाती तो अच्छी सेहत के साथ मिलेगी दमकती त्वचा!

नई दिल्ली, सेहत और हेल्दी त्वचा पाने के लिए हर साल एक नई डिटॉक्स डाइट सामने आती है। हेल्दी इम्यूनिटी के साथ अच्छी त्वचा के लिए भी लिवर द्वारा टॉक्सिन को शरीर से बाहर निकालने के साथ पाचन का आसान होना भी ज़रूरी है। ऐसे में फल किसी भी अन्य भोजन की तुलना में सबसे ज़्यादा फायदेमंद साबित होते हैं। वे न सिर्फ बाहर से त्वचा बल्कि अंदर से शरीर को फिर जीवंत करने के लिए, विषाक्त पदार्थों को बाहर का रास्ता दिखाते हैं। इन्हीं फलों में से एक है नाशपाती, जो काम में आपके बड़े काम आ सकती है। ये न सिर्फ पोषक तत्वों से भरी हुई होती है बल्कि त्वचा के लिए चमत्कारी साबित हो सकती है।

सेहत के लिए वरदान है नाशपाती

होमर ने 9वीं शताब्दी ईसा पूर्व में श्द ओडिसीश नाम से एक महाकाव्य लिखा था। जिसमें उन्होंने पीयर यानी नाशपाती का उल्लेख ष्देवताओं के उपहारष के रूप में किया था। यह फल प्राचीन ग्रीस में बहुत लोकप्रिय था, खासकर उन महिलाओं के बीच जिन्होंने इसका इस्तेमाल अपने लुक को बनाए रखने के लिए किया था। वास्तव में, नाशपाती आधुनिक पश्चिमी आइकनोग्राफी का एक बड़ा हिस्सा बन गई है, जिसमें भारी मात्रा में स्वास्थ्य लाभ होते हैं, जिससे हमारे जैसे अधिकांश आम लोगों अंजान हैं। इसके सबसे महत्वपूर्ण लाभों में से एक फाइबर सेवन है। इसे खाने से प्रतिरक्षा प्रणाली और चयापचय को तो फायदा मिलता ही है बल्कि यह त्वचा और बालों को बेहतर बनाने में भी मदद करती है।

अनेक पोषक तत्वों से भरपूर

नाशपाती आपकी त्वचा पर बढ़ती उम्र के प्रभावों को कम करने और वज़न में संतुलन बनाए रखने के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। नाशपाती विटामिन सी, एक प्रभावी एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन–के और कॉपर से भरपूर होती है। ये आपकी स्किन को कई तरह के नुकसानों से बचाती है। साथ ही त्वचा टोन्ड रहती है ।

आप सभी नगर पलिका परिषद वासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
बब्लू श्रीवास्तव
वरिष्ठ भाजपा नेता- सिद्धार्थनगर

आप सभी देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
पप्पू सिंह
वरिष्ठ समाजसेवी, सिद्धार्थनगर

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
कयूम
ग्राम प्रधान-हरैया, वि.ख.-जोगिया

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
सरोज शुक्ला
(भाजपा युवा नेत्री)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
पंकज सिंह
(पूर्व जिला मंत्री भाजपा)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
फतेह बहादुर सिंह
(सभासद/वरिष्ठ भाजपा नेता)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
सब्बलू सहानी
(जिला पंचायत सदस्य/वरिष्ठ युवा भाजपा नेता)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
राघवेन्द्र मिश्रा (गंगा मिश्रा)
(प्रधान / पूर्व जिला पंचायत सदस्य)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
श्याम धनी राही
(सदर विधायक, कपिलवस्तु-सिद्धार्थनगर)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
अनिल सिंह
(जिला अध्यक्ष, संयुक्त राज्य परिषद-सिद्धार्थनगर)

26 जनवरी
समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
अनिल अग्रहरि
अनिल अग्रहरि

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई
राधेरमण त्रिपाठी
(वरिष्ठ उपाध्यक्ष/जिलाध्यक्ष, उ.प्र. प्राथमिक शिक्षक संघ)

आप सभी क्षेत्रवासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक बधाई
दीपक मौर्या
(वरिष्ठ भाजपा नेता)

फिर एक बार भाजपा सरकार
श्रीष चौधरी
ब्लॉक प्रमुख प्र0, जोगिया, विधानसभा क्षेत्र- 303
कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर
Shrish Chaudhary

समस्त नगर पंचायत वासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
अनिल जायसवाल
समाजसेवी व जेकेजे होटल डुमरियागंज रोड, इटवा-सिध्दार्थनगर

समस्त नगर पंचायत वासियों को
गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई
डा भास्कर शर्मा
होम्योपैथीक चिकित्सा, इटवा-सिध्दार्थनगर

आप सभी सम्मानित ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
गणतन्त्र दिवस
शिवरात्रि
होली
की हार्दिक शुभकामनायें
राम स्वरूप गुप्ता
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड- शोहरतगढ़

आप सभी सम्मानित ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
गणतन्त्र दिवस
शिवरात्रि
होली
की हार्दिक शुभकामनायें
सन्त अखिलेश्वर
ग्राम विकास अधिकारी
विकास खण्ड- शोहरतगढ़

आप सभी क्षेत्रवासियों एवं देशवासियों को
गणतंत्र दिवस
शिवरात्रि
होली
की हार्दिक शुभकामनायें
उदय प्रताप गौतम
ग्राम पंचायत सचिव
विकास खण्ड बढ़नी, जनपद सिद्धार्थनगर

आप सभी सम्मानित ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों को
गणतन्त्र दिवस
शिवरात्रि
होली
की हार्दिक शुभकामनायें
सुबासचन्द्र
ग्राम पंचायत अधिकारी
विकास खण्ड- शोहरतगढ़

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक बहराइच के नेतृत्व में केंद्रीय बल सहित स्थानीय पुलिस द्वारा थाना फ्लैग मार्च कर आमजन को कराया गया सुरक्षा का एहसास

स्वतंत्र, निष्पक्ष,शांतिपूर्ण एवं अधिक से अधिक मतदान हेतु किया गया जागरूक

संवाददाता

बहराइच–आगामी विधानसभा निर्वाचन–2022 को शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न कराये जाने के दृष्टिगत जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बहराइच केशव कुमार चौधरी के निर्देशन व नेतृत्व मे कल को0 थाना क्षेत्र को0 देहात में, प्रभारी निरीक्षक को0 देहात मय पुलिस बल एवं पैरामिलिट्री फोर्स (सीआरपीएफ) के साथ थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर फ्लैग मार्च/एरिया डोमिनेशन किया गया। फ्लैग मार्च/एरिया डोमिनेशन कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया गया एवं शांतिपूर्ण वातावरण में कोविड–19 गाइडलाइंस का पालन करते हुए सकुशल चुनाव संपन्न कराने का संदेश दिया गया। वर्नेबल/क्रिटिकल मतदान केंद्रों,बूथ व मजरों का भ्रमण कर जनता में सुरक्षा का वातावरण तैयार किया गया तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव के दृष्टिगत जनता को अधिक से अधिक मतदान के लिए जागरूक किया गया।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में राउण्ड–द–क्लाक सक्रिय रहेंगी तीन–तीन फ्लाईंग स्क्वायड (एफएस) टीमें

संवाददाता

बहराइच । विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2022 के दौरान आदर्श आचार संहिता/निर्वाचन व्यय अनुवीक्षण का अनुपालन सुनिश्चित कराये जाने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्दशानुसार जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र द्वारा जिले की प्रत्येक विधानसभा क्षेत्रों के लिए नौ–नौ फ्लाईंग स्क्वायड (एफ.एस.) टीमें गठित की गयी हैं। प्रत्ययेक विधानसभा क्षेत्र में प्रथम पाली में प्रातः 06:00 बजे से अपरान्ह 02:00 बजे तक, द्वितीय पाली में अपरान्ह 02:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक तथा तृतीय पाली में रात्रि 10:00 बजे से प्रातः 06:00 बजे तक फ्लाईंग स्क्वायड (एफएस) टीमें सक्रिय रहेंगी। प्रत्येक टीम में प्रभारी अधिकारी के साथ 01–01 उप निरीक्षक व मुख्य आरक्षी स्तर के पुलिस अधिकारी के साथ–साथ 03–03 आरक्षी तथा 01–01 वीडियोग्राफर भी तैनात किया जा रहा है।

विधान सभा क्षेत्र–282 बलहा (अ.जा.) के लिए गठित प्रथम पाली अन्तर्गत प्रथम फ्लाईंग स्क्वायड (एफ.एस.) टीम में स.न.ख.–1 नानपारा के अ.अभि. महेश नरायन मिश्रा मो.न. 9455853576 व थाना मोतीपुर के उपनि.सुनील कुमार वर्मा मो.न. 9454359439, द्वितीय टीम में स.न.ख.–1 नानपारा के अ.अभि. नवीन वर्मा मो.न. 9415126768 व , थाना मोतीपुर के उप.नि. अवधेश कुमार द्विवेदी मो.न. 9792090208 तथा तृतीय टीम में नलकूप खण्ड नानपारा के अ.अभि. कैलाश यादव मो.न. 8318690450 व थाना मोतीपुर के मु.आ. जय प्रकाश यादव मो.न. 9792453223 को तैनात किया गया है। इसी प्रकार द्वितीय पाली अन्तर्गत प्रथम टीम में स.न.ख. नानपारा के अ.अभि. कर्मवीर मो.न. 9838508702 व कोत. मुर्तिहा के उपनि. सुशील कुमार मो.न. 7897509792, द्वितीय टीम में स.न.ख.–1 नानपारा के अ.अभि. अंकित कुमार मो.न. 9838483352 व थाना सुजौली के उपनि. पंकज यादव मो.न. 9919402879 व तृतीय टीम में लो.नि.वि. नि.ख.–2 के अ.अभि. अतुल कुमार मो.न. 9454046603 व थाना रूपईडीहा के उपनि. राज नारायण त्रिपाठी मो.न. 9554052447 तथा तृतीय पाली हेतु प्रथम टीम में स.न.ख.–1 नानपारा के अ.अभि. उधम सिंह मो.न. 9389107164 व थाना सुजौली के उपनि. उदित वर्मा मो.न. 9919590439, द्वितीय टीम में लो.नि.वि. नि.ख.–2 के अ.अभि. दिनेश कुमार मो.न. 9415782554 व थाना खैरीघाट के उपनि. अनुज त्रिपाठी मो.न. 8299419470 तथा तृतीय टीम में स.न.ख. –1 नानपारा के अ.अभि. विजय पाल मो.न. 9557299968 व नानपारा के उपनि. अनुराग प्रताप सिंह मो.न. 9151138188 को तैनात किया गया है।

वि.स.नि. क्षेत्र नानपारा अन्तर्गत प्रथम पाली की प्रथम टीम में स.न.ख.–1 नानपारा के अ.अभि. सौरभ कुमार पाण्डेय मो.न. 6307052158 व कोत. नानपारा के उपनि. धात्रीशंकर सहाय सिंह मो.न. 9454638456, द्वितीय टीम में लो.नि.वि. नि.ख.–2 के अ.अभि. मुकेश कुमार वर्मा मो.न. 9557873399 व रूपईछीहा के उपनि. संतोष सिंह मो.न. 7080145970 व तृतीय टीम में स.न.ख.–1 नानपारा के अ. अभि. ओंकार रावत मो.न. 9161708947 व नवाबगंज के उपनि. शिव कुमार यादव मो.न. 9125464932, द्विितीय पाली की प्रथम टीम में नलकूप खण्ड अ.अभि. सुजीत कुमार मो.न. 8004350877 व रूपईडीहा के उपनि. प्रेम चन्द्र यादव मो.न. 9918322397, द्वितीय टीम में लो.नि.वि. प्रा.ख. अ.अभि. पतिराम मो.न. 9305508674 व नानपारा के उपनि. अरूण कुमार क्षिवेदी मो.न. 9889208909 व तृतीय टीम में स.न.ख.–1 नानपारा अ.अभि. सर्वजीत प्रसाद मो.न. 8171008777 व मटेरा के मु. आ. प्रभूनाथ यादव मो.न. 9450678810 तथा तृतीय पाली की प्रथम टीम में स.न.ख. नानपारा के अ.अभि. अशोक कुमार गौतम मो.न. 980763491 व खैरीघाट के उपनि. बेजू प्रसाद गौड़ मो.न. 9532115490, द्वितीय टीम में लो.नि.वि. प्रा.ख. के अ.अभि. सुबाश चन्द्र मो.न. 9918687974 व मटेरा के मु. आ. सत्यनारायण सिंह मो.न. 9125989703 तथा तृतीय टीम में भूमि सं.अधि. प्रथम के अ.अभि. चन्द्रशेखर मो.न. 9839684258 व नानपारा की उपनि. श्रीमती रम्भा गुप्ता मो.न. 6398807969 के नेतृत्व में एफ.एस. टीम का गठन किया गया है।

सूचना

मेरा हाई स्कूल अनुक्रमांक नं 2100 385 वर्ष 2006 वास्तव में कहीं खो गया है।

रघुनाथ पासवान
पुत्र पीताम्बर प्रसाद
ग्राम भरमी पोस्ट बघेली
जिला सिद्धार्थनगर (उ.प्र.)

हिन्दी दैनिक
बुद्ध का संदेश
समाचार पत्र
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योतिनगर, मधुकरपुर, निकट हीरो होंडा एजेन्सी, सिद्धार्थनगर, 272207 उ.प्र. से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.– UPHIN/2012/49458
संस्थापकः– स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादकः– राजेश कुमार शर्मा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद जनपद सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।
8795951917, 9453824459
ई–न्यूज पेपरः– www.budhakasandesh.com
E-Mail ID:. budhakasandeshnews@gmail.com

20 लीटर कच्ची शराब के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

मिहींपुरवा(बहराइच)। पुलिस अधीक्षक बहराइच द्वारा शराब निष्कर्षण एवं बिक्री के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अशोक कुमार व क्षेत्राधिकारी मिहीपुरवा जंग बहादुर यादव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियो की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु मोतीपुर थानाध्यक्ष बृजानन्द सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित टीम आज 2बजे थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम लोहिया फार्म, मंझाव के पास से अभियुक्त कन्हैया पुत्र राम नेवल नि0 सिंघासनपुरवा दा0 मंझाव थाना मोतीपुर जनपद बहराइच को मय एक पिपिया में 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया गिरफ्तार करनेवाली टीम मे हे0का0 राम अशीष वर्मा का0 मनोज चौधरी का0 विशाल सिंह।

इंडियन बैंक के मंडल प्रमुख ने एटीएम सुविधा का किया शुभारंभ

संवाददाता

बहराइच। जनपद के अग्रणी बैंक इंडियन बैंक द्वारा ग्राहकों की सुविधा के लिए एटीएम सुविधा शुरू की गई है। एटीएम सुविधा का शुभारंभ आज इंडियन बैंक के मंडल प्रमुख विनीत बाजपाई के कर कमलो द्वारा संपन्न हुआ। उन्होंने बताया कि इस एटीएम के माध्यम से ग्राहकों को नगदी के जमा और निकासी दोनों की सुविधा प्राप्त होगी। उक्त अवसर पर आदरणीय बैंक जिला प्रबंधक अमित गौरव, इंडियन बैंक मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक रामेश्वर लाल प्रजापति, मुख्य प्रबंधक आलोक पांडे, विकास भवन शाखा के वरिष्ठ प्रबंधक विद्या भूषण वर्मा सहित अनेकों बैंक कर्मी और अधिकारी मौजूद रहे।